RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-225 जयपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026 मूल्य-4 रूपये

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का पेश

ओम बिरला का लोकसभा में ना जाने का फैसला, 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

नई दिल्ली

विपक्ष ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। न्यूज एजेंसी द्धहस् ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे।

एजेंसी के मुताबिक विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है। इसके बाद 8 मार्च से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी।

इससे पहले बजट सत्र के 10वें दिन संसद दो बार स्थगित हुई। दोपहर 2 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू हो सकी। शशि थरूर ने बजट पर चर्चा की शुरुआत की।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और निर्णय होने तक सदन की कार्यवाही में शामिल न होने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, इस मुद्दे पर 9 मार्च को विचार किया जा सकता है, जो बजट सत्र के दूसरे चरण का पहला दिन होगा।

इसी दिन सदन में अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करने का निर्णय लिया जा सकता है। गौरतलब है कि विपक्षी दल लगातार आरोप लगा रहे हैं कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सदन की कार्यवाही का संचालन निष्पक्ष तरीके से नहीं कर रहे हैं और सत्तापक्ष के पक्ष में झुकाव दिखा रहे हैं। हालांकि, लोकसभा में संख्या बल को देखते हुए इस अविश्वास प्रस्ताव को राजनीतिक तौर पर अधिकतर प्रतीकात्मक माना जा रहा है, क्योंकि इसके पारित होने की संभावना बेहद कम है। मंगलवार को विपक्षी दलों ने संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस सौंपा था। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि यह नोटिस दोपहर 1 बजकर 14 मिनट पर लोकसभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के नियम 94सी के अंतर्गत औपचारिक रूप से जमा किया गया। कांग्रेस के अनुसार, इस प्रस्ताव पर कुल 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) समेत कई विपक्षी दलों ने इसका समर्थन किया है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने अब तक इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया है कि लोकसभा अध्यक्ष ने बार-बार उन्हें सदन में जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने का अवसर नहीं दिया। विपक्ष का कहना है कि इसी कारण उन्हें अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का कदम उठाना पड़ा।

पेंगुइन बोली- कोई भी हिस्सा पब्लिक नहीं किया

राहुल का यह बयान पब्लिशिंग कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के उस क्लैरिफिकेशन के बाद आया, जिसमें कहा गया कि नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है। पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। पेंगुइन कंपनी ने कहा- अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। हमारी तरफ से किताब का कोई भी हिस्सा कहीं भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे मुझे उन पर भरोसा: राहुल गांधी

लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी के प्रकाशक पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने मोबाइल में जनरल नरवणे का 15 दिसंबर 2023 का पोस्ट दिखाया।

उन्होंने कहा कि यह जनरल नरवणे का एक्स पोस्ट है जिसमें उन्होंने लिखा था, नमस्ते दोस्तों। मेरी किताब अब उपलब्ध है। बस इस लिंक का अनुसरण करें। आनंदपूर्वक पढ़ें। जय हिंद। राहुल ने कहा, सवाल यह है कि या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंग्विन प्रकाशन, लेकिन मुझे पूर्व सेनाध्यक्ष पर भरोसा है, वह झूठ नहीं बोलेंगे। उन्होंने कहा कि किताब में किए गए कुछ उल्लेख सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं, इसलिए विवाद खड़ा किया जा रहा है। अब यह तय करना होगा कि सच्चाई कौन बता रहा है। प्रकाशक या पूर्व सेनाध्यक्ष। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनरल नरवणे ने किताब में जो बातें लिखी हैं, वे सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असहज हैं और इसी वजह से इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि किताब के प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोमवार को कहा था कि जनरल नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है और इसकी कोई भी कॉपी, प्रिंट या डिजिटल, पब्लिश, बांटी, बेची या पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। राहुल गांधी ने जिस पोस्ट का जिक्र किया था उसे जनरल नरवणे ने 15 दिसंबर 2023 को एक्स पर साझा किया था।

सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में सभी कॉपियों की डिजिटल जांच होगी

32 करोड़ पन्ने ऑन स्क्रीन स्कैन होंगे

नई दिल्ली

सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक होगी। इस बार 12वीं के 17 लाख से अधिक परीक्षार्थियों की कॉपियां ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जांची जाएंगी। मतलब ये कि इन्हें डिजिटल तरीके से जांचा जाएगा।

इसके लिए हर छात्र की सभी उत्तरपुस्तिकाओं के हर पन्ने को परीक्षा केंद्र में ही स्कैन करके कंप्यूटर सिस्टम में अपलोड किया जाएगा। करीब 1 करोड़ कॉपियों के लगभग 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे। परीक्षक इन डिजिटल कॉपियों की जांच करके ही नंबर देंगे। 10वीं बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों की चेकिंग पहले की तरह कागज पर ही होगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के मुताबिक इस नई व्यवस्था से उत्तर पुस्तिकाओं के ट्रांसपोर्ट में लगने वाला समय और खर्च बचेगा।

शिक्षक अपने स्कूल में रहते हुए ही मूल्यांकन कर सकेंगे, बच्चों की नियमित पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। मूल्यांकन को अधिक पारदर्शी, तेज और त्रुटिरहित बनाने के मकसद से बोर्ड ने यह प्रणाली लागू करने का फैसला लिया है।

सभी कॉपियों को स्कैन करके डिजिटल तरीके से ही जांचेंगे। मूल्यांकन तेज हो जाएगा, जिससे समय पर परिणाम घोषित हो सकेंगे। कक्षा10 की बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियां पहले की तरह ही जांचेंगे। सभी 32 हजार स्कूलों को निर्देश कॉपी स्कैनिंग की पूरी तैयारी रखें। टोटलिंग में गलतियां खत्म होंगी, अंकों की गणना ऑटोमेटेड होगी

बाबरी ढांचा कयामत के दिन तक नहीं बनेगा, जो कानून तोड़ेगा उसे जहन्नुम मिलेगा: सीएम योगी

बाराबंकी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकार जो बोलती है, करके दिखाती है। यह जितना करती है, उतना ही बोलती है। योगी ने कहा कि जो लोग बाबरी ढांचे का सपना देख रहे हैं, उनको बता दूं कि कयामत का दिन कभी नहीं आएगा। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाराबंकी के दरियाबाद क्षेत्र में दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग हैं, जो अवसरवादी रवैया अपनाते हैं। जब संकट आता है तब भागवान राम याद आते हैं, बाकी राम को भूल जाते हैं। इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार की वजह से अब आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बन रहा है।

उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले यह बीमारु प्रदेश था। कब कहां लूट, हत्या हो जाएगी पता नहीं होता था। बहू-बेटियां सुरक्षित नहीं थी और घर से बाहर गया व्यक्ति अगर शाम तक नहीं लौटता था तो घर वाले अनहोनी की आशंका से बार-बार फोन करके हालचाल लेते रहते थे। कानून से खिलवाड़ करने वालों को आगाह करते हुए योगी ने कहा कि हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, यहां का कानून मानो, कानून मानोगे, कायदे से रहोगे, तो फायदे में रहोगे। उन्होंने कहा कि जहां तक बाबरी ढांचे के पुनर्निर्माण की बात है तो यह कयामत तक नहीं होगा क्योंकि कयामत आने वाली नहीं है। अयोध्या के राम मंदिर निर्माण की लंबी लड़ाई से लेकर भव्य मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए योगी कहा कि राम मंदिर बन गया है न। आज मंदिर अपने निर्धारित स्थान पर बन चुका है। गोला गोकर्णनाथ, लोधेश्वर मंदिर समेत कई मंदिरों के हो रहे कॉरिडोर निर्माण का भी उन्होंने उल्लेख किया।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके

इंफाल

मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं।

हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी।

मथुरा में एक ही परिवार के पांच लोगों ने खाया जहर, सामूहिक आत्महत्या

मथुरा

मथुरा के महावन क्षेत्र में एक ही परिवार के पांच लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

तहसील महावन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खप्पर पुर की ये घटना है। यहां के रहने वाले 35 वर्षीय किसान मनीष, उनकी पत्नी सीमा, दो बेटियां हनी और प्रियांशी और दो वर्षीय बेटे पंकज का शव मिला। आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट भी लिखा गया। बताया गया है कि मनीष की शादी आठ साल पहले मड़नई सादाबाद से हुई थी। मनीष के दो भाई और हैं, जो गांव में ही अलग-अलग घरों में रहते हैं। मनीष अपनी पत्नी और बच्चों के साथ इस मकान में रहता था।

इस परिवार के आत्महत्या के पीछे की आखिर वजह क्या रही, ये फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। घर के अंदर परिवार के सभी लोगों की लाशें मिलीं हैं। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार घर के अंदर दीवार पर लिखा है कि 'अपनी इच्छा से आत्महत्या कर रहा हूं।'

पुलिस को सुसाइड नोट मिले थे, जिसमें कहा गया कि मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मरे हैं और पुलिस किसी को परेशान न करे।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी आज विधानसभा में पेश करेंगी बजट

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी बुधवार (11 फरवरी) को प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करेंगी। बजट प्रस्तुति से पहले मंगलवार को उप मुख्यमंत्री कार्यालय में बजट को अंतिम रूप दिया गया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया, शासन सचिव वित्त (व्यय) टीना सोनी, शासन सचिव वित्त, राजन विशाल, शासन सचिव वित्त कुमारपाल गौतम तथा निदेशक वित्त, बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित रहे।

भारत ने सऊदी अरब में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब जनरल अथॉरिटी फॉर डिफेंस डेवलपमेंट के गवर्नर डॉ. फलेह बिन अब्दुल्ला अल-सुलेमान से भी मुलाकात की और भारत के वैश्विक निर्यात केंद्र के तौर पर उभरने पर जोर दिया। मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के अधिकारियों को भारत का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, ताकि रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास पर चर्चा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री ने सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ़ मिलिट्री इंडस्ट्रीज के गवर्नर अहमद बिन अब्दुल अजीज अल ओहाली से मुलाकात की और सामरिक सहयोग तथा दोनों देशों के सप्लाई चेन इकोसिस्टम को मजबूत करने के बारे में चर्चा की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने बरसाई लाठियां

फंदे से लटका मिला था युवक का शव, हत्या का आरोप

आहोर

जालोर में युवक की मौत के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई। 3 दिन से मॉर्च्युरी के बाहर धरना चल रहा था। इसके बाद दोपहर करीब तीन बजे उग्र भीड़ मॉर्च्युरी से उठकर स्ष्ठरू ऑफिस के सामने नेशनल हाईवे-325 (सांडेराव-बाड़मेर) को जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज किया। BAP जिलाध्यक्ष छगन लाल मीणा को हिरासत में ले लिया। लाठीचार्ज में छगन मीणा के सिर में चोट भी लगी है। मामला मंगलवार दोपहर आहोर उपखंड मुख्यालय का है। प्रदर्शन में 3 जिलों (जालोर, पाली, सिरोही) से समाज के लोग शामिल हुए थे। 7 फरवरी की शाम को भाद्राजून थाना क्षेत्र के गोलिया गांव में युवक अशोक कुमार मीणा (45) का शव घर में फंदे से लटका मिला था।

एआई से बने वीडियों अब नहीं बचेंगे, सरकार लाई सख्त नियम

डीपफेक वीडियो-फोटो भी 3 घंटे में हटाने होंगे

सभी एआई ऑडियो-वीडियो लेबल लगाना होगा

नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स (ट्विटर), यू-ट्यूब, स्नैपचैट और फेसबुक को अब अपने प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जाने वाले एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंटेंट पर लेबल लगाना होगा। इसके साथ ही डीपफेक वीडियो-फोटो भी 3 घंटे में हटाने होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को आदेश जारी किया है। इसमें IT रूल्स 2021 में बदलाव किया गया है। बदले हुए नियम 20 फरवरी से लागू होंगे। इसका ड्राफ्ट सरकार ने 22 अक्टूबर 2025 को जारी किया था।

नए नियम डीपफेक और एआई से बने कंटेंट को लेबल और ट्रेस करने के लिए हैं। मतलब, अब एआई कंटेंट में साफ लिखना होगा कि यह कंटेंट असली नहीं, एआई वाला है। इससे मिसइनफॉर्मेशन और चुनावी धांधली जैसी समस्याओं पर लगाम लगेगी।

नई रूल 3(3) के तहत, जो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एआई कंटेंट जैसी 'सिंथेटिकली जेनरेटेड इंफॉर्मेशन' क्रिएट करने देगा, उसे हर ऐसे कंटेंट पर प्रॉमिनेंट लेबल लगाना होगा। परमानेंट यूनिक मेटाडेटा/आइडेंटिफायर एम्बेड भी करना पड़ेगा।

ये लेबल विजुअल में कम से कम 10% एरिया कवर करेगा या ऑडियो में पहले 10% टाइम में सुनाई देगा। मेटाडेटा को कोई चेंज, हाइड या डिलीट नहीं कर पाएगा। प्लेटफॉर्म्स को टेक्निकल तरीके अपनाने पड़ेंगे ताकि अपलोड होने से पहले ही चेक हो जाए कि ये एआई वाला है या नहीं।

लेबल हटाना या छिपाना अब मुमकिन नहीं: सोशल मीडिया कंपनियां अब एआई लेबल या उसके मेटाडेटा (पहचान की जानकारी) को हटाने या छिपाने की इजाजत नहीं दे सकतीं। एक बार लेबल लग गया, तो उसे वैसे ही रखना होगा।

गंदे और भ्रामक कंटेंट पर लगाम: सरकार ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे ऑटोमेटेड टूल्स (सॉफ्टवेयर) इस्तेमाल करें, जो एआई के जरिए बनाए गए गैर-कानूनी, अश्लील या धोखाधड़ी वाले कंटेंट को रोक सकें।

हर 3 महीने में चेतावनी देना अनिवार्य: कंपनियों को हर 3 महीने में कम से कम एक बार अपने यूजर्स को वॉर्निंग देनी होगी। उन्हें बताना होगा कि अगर उन्होंने एआई का गलत इस्तेमाल किया या नियम तोड़े, तो उन्हें सजा या जुर्माना भुगतना पड़ सकता है।

यूजर्स अब फेक कंटेंट आसानी से पहचान सकेंगे, मिसइनफॉर्मेशन कम होगी। लेकिन क्रिएटर्स को एक्स्ट्रा स्टेप्स करने पड़ेंगे, जैसे लेबल लगाना।

इंडस्ट्री के लिए चैलेंज ये होगा कि उन्हें मेटाडेटा और वेरिफिकेशन के लिए टेक इन्वेस्टमेंट करना होगा, जो ऑपरेशंस को थोड़ा महंगा कर सकता है। लेकिन ओवरऑल, ये एआई मिसयूज रोकने में मददगार साबित होगा।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद- सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

चुनाव आते ही कोर्ट भी राजनीति का हिस्सा बन जाता है: सीजेआई

नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर CPI(M) और CPI के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है।

निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने CPI(M) और CPI नेताओं की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। याचिका में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

कांग्रेस ने पहले उठाया था वीडियो का मुद्दा

दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं।

बाबा सिद्दीकी हत्या मामले के आरोपी आकाशदीप को मिली सशर्त जमानत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोमवार 9 फरवरी को इस केस के आरोपी आकाशदीप करज सिंह को सशर्त जमानत दी है। आकाशदीप इस मामले में जमानत पाने वाला पहला आरोपी है। न्यायमूर्ति नीला गोखले की एकल पीठ ने जमानत देते हुए स्पष्ट निर्देश दिया है कि मामले की सुनवाई पूरी होने तक आरोपी मुंबई नहीं छोड़ेगा। बता दें कि 12 अक्टूबर 2024 की रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में बाबा सिद्दीकी (66) की उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात को तीन हमलावरों ने अंजाम दिया था। मुंबई पुलिस ने इस मामले में पंजाब निवासी आकाशदीप करज सिंह (22) को नवंबर 2024 में गिरफ्तार किया था। जमानत याचिका में आकाशदीप सिंह ने खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया था, कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। आरोपी का कहना था कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप अस्पष्ट हैं और अभियोजन पक्ष ने हत्या में उसकी कोई विशिष्ट भूमिका स्पष्ट नहीं की है। याचिका में यह भी कहा गया कि उस पर केवल एक संगठित अपराध गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाया गया है, जबकि हत्या की साजिश या वारदात में उसकी सीधी संलिप्तता साबित नहीं होती। आरोपी की ओर से पेश वकील ने कोर्ट में दलील दी कि इस मामले की सुनवाई निकट भविष्य में शुरू होने की संभावना नहीं है और बिना ट्रायल के लंबे समय तक जेल में रखना आरोपी के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। इसी आधार पर जमानत की मांग की गई थी।

पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया

पटना (एजेंसी)। पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 को लेकर अभ्यर्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत पटना कॉलेज से हुई, जो करीब दो घंटे बाद जेपी गोलंबर पर आकर खत्म हुआ। अभ्यर्थी हाथों में 'शिक्षा मंत्री झूठा है' और 'आई लव टीआरआई-4' लिखे पोस्टर लेकर नीतिश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते दिखाई दिए। इस दौरान पुलिस ने उन्हें काफी समझाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी जेपी गोलंबर तक पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। बैरिकेडिंग के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच झूमाझटकी हुई। कई अभ्यर्थियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जबकि कुछ छात्र बैरिकेड के ऊपर चढ़ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। दरअसल बीपीएससी ने वर्ष 2026 तक आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है, लेकिन इसमें शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई-4 का कोई उल्लेख नहीं है। इस बात को लेकर अभ्यर्थियों का आरोप है कि सरकार जानबूझकर टीआरई-4 को टालना चाहती है। कैलेंडर से टीआरई-4 के गायब रहने से हजारों अभ्यर्थियों में गुस्सा और निराशा दोनों बढ़ गई है। पिछले सोमवार को जारी बीपीएससी के परीक्षा कैलेंडर में 70वीं, 71वीं और 72वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीसीई), न्यायिक सेवा, एपीओ, तकनीकी और प्रशासनिक पदों सहित 50 से अधिक भर्तियों की संभावित तिथियां दी गई हैं। इस कैलेंडर में विशेष शिक्षक, सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी जैसी भर्तियों का भी जिक्र है, लेकिन टीआरई-4 पूरी तरह नदारद है।

क्या रूस छोड़कर अमेरिका से तेल खरीदेगा भारत, मंत्री पीयूष गोयल ने स्थिती स्पष्ट कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर देश का दृष्टिकोण स्पष्ट किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका से कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की खरीद भारत के रणनीतिक हितों के अनुकूल है, क्योंकि इससे भारत को अपने ऊर्जा संसाधनों में विविधता लाने का अवसर मिलता है। गोयल के अनुसार, व्यापार समझौते का मुख्य उद्देश्य दो देशों के बीच कारोबार के रास्ते को सुगम बनाना और प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारतीय उत्पादों को विशेष पहुंच प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 18 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क होने के बावजूद, यह समझौता भारत को अन्य विकासशील देशों के मुकाबले बढ़त दिलाता है, जो वैश्विक बाजार में भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी हैं।

भारत की भविष्य की ऊर्जा और तकनीकी जरूरतों पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने एक बड़ा लक्ष्य सामने रखा। उन्होंने कहा कि भारत को अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने में कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने इस आंकड़े को काफी रूढ़िवादी बताया और कहा कि 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखने वाले देश के लिए यह राशि बहुत कम है। गोयल ने स्पष्ट किया कि अकेले विमानन क्षेत्र के लिए ही भारत को कम से कम 100 अरब डॉलर से अधिक की आवश्यकता है। इसके अलावा, भारत वर्तमान में अन्य देशों से जो 300 अरब डॉलर का सामान आयात कर रहा है, उसे आसानी से अमेरिकी बाजार की ओर मोड़ा जा सकता है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और मजबूती मिलेगी।

रणनीतिक पहलुओं पर बात करते हुए पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि व्यापार समझौता यह तय नहीं करता कि कौन खरीदार किससे और क्या खरीदेगा। तेल या अन्य संसाधनों की खरीद के फैसले मुख्य रूप से घरेलू खरीदारों द्वारा ही लिए जाते हैं। जब उनसे रूसी तेल की खरीद और उस पर अमेरिका के साथ हुई डील के संभावित प्रभाव के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने बहुत ही नपे-तुले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला उनके मंत्रालय के दायरे में नहीं आता और भू-राजनीतिक मुद्दों पर विदेश मंत्रालय ही बेहतर जानकारी दे सकता है। उन्होंने यह संकेत दिया कि विभिन्न मंत्रालय अपने निर्धारित क्षेत्रों में काम करते हैं और व्यापारिक समझौतों का प्राथमिक उद्देश्य आर्थिक लाभ और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करना होता है। दोनों देशों द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों, विमानों के पुर्जे, कीमती धातुओं, प्रौद्योगिकी उत्पादों और कोकिंग कोयले की खरीद में गहरी रुचि दिखाई है। यह समझौता न केवल दोनों देशों के बीच व्यापारिक घाटे को कम करने में मदद करेगा, बल्कि भारत की रक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगा। पीयूष गोयल के बयानों से यह साफ है कि भारत अपनी संप्रभुता और रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए अमेरिका के साथ एक मजबूत और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

कोविड वैक्सीन को लेकर फैलाई गई भ्रांतियां सिरे से खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड वैक्सीन और महिलाओं की फर्टिलिटी के बीच किसी भी तरह के नकारात्मक प्रभाव का कोई प्रमाण नहीं है। लगभग 60,000 महिलाओं पर किए गए एक बड़े वैज्ञानिक अध्ययन ने कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर फैलाई गई भ्रांतियों को सिरे से खारिज कर दिया है। कोविड-19 वैक्सीनेशन को लेकर शुरुआत से ही कई तरह की भ्रांतियां फैलाई जाती रही हैं—खासकर सोशल मीडिया पर यह मिथक बार-बार दोहराया गया कि कोरोना वैक्सीन महिलाओं की प्रजनन क्षमता को प्रभावित कर सकती है या गर्भधारण की संभावना कम कर देती है। महामारी के बाद के वर्षों में कुछ देशों, विशेषकर स्वीडन में, जन्म दर में गिरावट दर्ज की गई थी। इससे यह आशंका उभरी कि कहीं यह कमी वैक्सीनेशन की वजह से तो नहीं हुई। इसी सवाल का जवाब खोजने के लिए स्वीडन की लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने विस्तृत अध्ययन किया। सोशल मेडिसिन के प्रोफेसर टॉमस टिम्पका के नेतृत्व में हुए इस शोध में स्पष्ट कहा गया कि कोविड-19 के खिलाफ एमआरएनए वैक्सीन का जन्म दर में आई कमी से कोई लेना-देना नहीं है। टिम्पका के शब्दों में, 'हमारा निष्कर्ष यही है कि वैक्सीनेशन और जन्म दर में गिरावट के बीच संबंध होने की संभावना बेहद कम है।' इस अध्ययन में वैक्सीनेटेड और नॉन-वैकसीनेटेड महिलाओं के बीच बच्चों के जन्म और गर्भपात के मामलों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला। वैज्ञानिकों ने 18 से 45 वर्ष की लगभग 60,000 महिलाओं के हेल्थ रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण किया। इनमें से 75 प्रतिशत महिलाओं को 2021 से 2024 के बीच एक या दो बार कोविड वैक्सीन लगाई गई थी। शोध में जन्म, गर्भपात, टीकाकरण और मौतों से जुड़े सभी आंकड़ों को शामिल किया गया। अध्ययन की सबसे अहम बात यह है कि इसमें सामान्य गर्भाधान और गर्भावस्था पर प्रभाव की जांच की गई, जबकि पहले की अधिकांश स्टडीज सिर्फ इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट करा रहे जोड़ों पर केंद्रित थीं। उम्र, पूर्व बीमारियां और अन्य कारक जो गर्भधारण को प्रभावित कर सकते हैं, उन्हें भी विश्लेषण में शामिल किया गया। पिछले कई अध्ययनों की तरह इस रिसर्च में भी यह तथ्य दोहराया गया कि कोविड संक्रमण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक खतरनाक साबित हो सकता है, जबकि वैक्सीनेशन इस जोखिम को काफी हद तक कम कर देता है।

महिला बोली सॉरी! गलती से मैसेज पहुंच गया, व्यक्ति ने शुरु की चैटिंग, गवां दिए 70 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर ठगों ने एक विक्टिम के बैंक खाते से 70 लाख रुपए उड़ा दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बेंगलुरु स्थित प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले 50 साल के एक व्यक्ति के पास टेलीग्राम पर एक महिला का मैसेज आया। महिला ने अपना नाम प्रिया बताया, इसके बाद उसने कहा कि वह किसी राहुल नाम के व्यक्ति को मैसेज कर रही थीं और गलती से विक्टिम से पास पहुंच गया। महिला ने सॉरी कहकर मैसेज इग्नोर करने को कहा। इसके बाद विक्टिम ने चैटिंग जारी रखी। फिर दोनों के बीच वॉट्सऐप नंबर शेयर किए गए। फिर महिला ने कहा कि वह लंदन बेस्ड कंपनी में काम करती है और अपने परिवार का बिजनेस चलाती है। लंबी चैटिंग के बाद महिला ने विक्टिम का भरोसा जीत लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने बिटकॉइन ट्रेडिंग पर चर्चा शुरू कर दी। महिला ने बताया कि बीते पांच साल में उन्होंने बिटकॉइन ट्रेडिंग से मोटी कमाई की है। इसके बाद महिला ने विक्टिम को इनवेस्टमेंट के लिए राजी कर लिया और इंस्टैंट प्रोफिट का भी वादा किया। इसके बाद विक्टिम को एक लिंक शेयर किया। विक्टिम ने जब लिंक पर क्लिक किया तो वह उसको एक ऐसे प्लेटफॉर्म पर लेकर गया, जो देखने में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जैसा था। इसके बाद शख्स ने वहां अकाउंट क्रिएट किया और 9 दिसंबर को पहला इनवेस्टमेंट किया। इस इनवेस्टमेंट का अमाउंट 50 हजार रुपए था। विक्टिम ने कुछ समय इंतजार किया और उनको डैशबोर्ड पर प्रोफिट नजर आने आया। इसके बाद विक्टिम ने 8 अलग-अलग बैंक अकाउंट में 60 लाख रुपए ट्रांसपर कर दिए। इसके बाद व्यक्ति ने बैंक से लोन तक लिया और रुपये लगा दिए। विक्टिम को प्रोफिट के रूप में 2.6 करोड़ रुपये नजर आने लगे। साइबर ठगी का खुलासा तब हुआ, जब विक्टिम ने अपने प्रोफिट के रुपए निकालने की कोशिश की। इसके बाद विक्टिम के प्रयास असफल रहे।

औवेसी ने सीएम सरमा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग की... वीडियो को लेकर विवाद

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग कर हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर को औपचारिक शिकायत दी। औवेसी ने यह शिकायत एक कथित विवादित और अब डिलीट हो चुके वीडियो को लेकर की गई है, जिसमें सीएम सरमा को मुसलमानों पर गोली चलाते हुए दिख रहे है। पुलिस कमिश्नर को लिखे पत्र में ओवैसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा पिछले कई वर्षों से सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, सार्वजनिक भाषणों और अन्य मंचों के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बयान दे रहे हैं, जिसमें से कई बयान अब भी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध हैं।

हाल के महीनों में मुख्यमंत्री सरमा ने जानबूझकर अपने नफरत भरे भाषणों को और तेज किया है, जिसका साफ और सचेत इरादा मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना और हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दुश्मनी और नफरत को बढ़ाना है। ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शाहीन अब्दुल्ला बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य के मामले में साफ तौर पर कहा है कि मौलिक अधिकारों की रक्षा करना, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना और राष्ट्र के धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक चरित्र, विशेष रूप से कानून के शासन की रक्षा करना राज्य और कानून लागू करने वाली एजेंसियों का संवैधानिक कर्तव्य है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि पुलिस को औपचारिक शिकायत के अभाव में भी नफरत भरे भाषणों के मामलों में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं यह बताना चाहता हूं कि असम भारतीय जनता पार्टी के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा 7 फरवरी को पोस्ट किया गया हालिया वीडियो, जिस वीडियो को एक दिन बाद हटा दिया गया था लेकिन अभी भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध है, उसमें सरमा को हथियार से लैस दिखाया गया है और वे उन लोगों को निशाना बना रहे हैं जिन्हें साफ तौर पर मुसलमान दिखाया गया है और उन्हें गोली मार रहे हैं। उक्त पोस्ट और वीडियो, उसमें इस्तेमाल की गई तस्वीरों और पॉइंट ब्लैंक शॉट और कोई दया नहीं जैसे बयानों के साथ, मुसलमानों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, धार्मिक समुदायों के बीच नफरत और दुर्भावना को बढ़ावा देने और सांप्रदायिक हिंसा भड़काने के इरादे से किया गया एक जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य है।

जोधपुर दौरे पर पहुंची थाईलैंड की राजकुमारी....रातोंरात हो गया शहर का कायाकल्प

जोधपुर (एजेंसी)। थाईलैंड की राजकुमारी सिरीवनावरी नरीरत्ना राजकन्या राजस्थान के जोधपुर दौरे पर है। रविवार को जोधपुर के एयरपोर्ट स्टेशन से राजकन्या उम्मेद भवन पैलेस पहुंची यहां से रात को घंटाघर और भीतरी शहर के हवेली में पहुंची। जहां पर उन्होंने डिनर किया। सोमवार को उनका जोधपुर के मेहरानगढ़ किला जसवंत थड़ा सहित अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर जाने का कार्यक्रम है। थाईलैंड की राजकुमारी के स्वागत में जोधपुर पुलिस भी पूरी तरह से अलर्ट पर है। उनके जोधपुर दौरे को देखकर पुलिस ने भारी सुरक्षा और यातायात के बंदोबस्त किए गए हैं। वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर शहर में कई जगहों पर यातायात रोक दिया गया। इसके चलते लोग जाम में भी फंसे नजर आए। जहां जोधपुर के घंटाघर बाजार में भी आम दिनों में जहां अतिक्रमण और ठेलों की भीड़भाड़ रहती है। वह भी राजकुमारी के दौरे के कारण साफ सुथरा नजर आया। इस लेकर भी शहर के लोगों ने सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि जब एक दिन में पूरी तरह से व्यवस्था बदल सकती है, तब बाकी दिनों में घंटाघर का बाजार अतिक्रमण, जाम और पार्किंग की वजह से क्यों बदहाल नजर आता है।

सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में सुनवाई टली.... अब बुधवार को फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई बुधवार को होगी। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) केएम नटराज ने मामले की सुनवाई एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने लंबी अवधि के स्थगन की मांग स्वीकार नहीं कर मामले को बुधवार के लिए सूचीबद्ध किया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल से सवाल किया कि इस मामले में अब तक क्या प्रगति हुई है। दरअसल, पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति को देखकर उनकी हिरासत पर पुनर्विचार करने का सुझाव दिया था और केंद्र सरकार से इस संबंध में उचित निर्णय लेने को कह दिया था। केंद्र सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि वांगचुक को हिरासत के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधा और इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार ने अदालत को आश्वासन दिया कि उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। गौरतलब है कि लद्दाख में 24 सितंबर को हुई हिंसा में चार लोगों की जान गई थी। यह हिंसा लेह में लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई। करीब 90 लोग हिंसा के दौरान घायल हुए थे। बाद में, 26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया। इसके अलावा, प्रशासन ने चार लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है।

हिमालया का लिव 52 नकली बनाकर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफास, 5 गिरफ्तार

गाजियाबाद (एजेंसी)। मुरादनगर पुलिस ने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर लीवर की प्रसिद्ध दवा लिव-52 की नकली टैबलेट बनाकर बाजार में बेच रहा था। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान गिरोह के सरगना मयंक अग्रवाल सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से लगभग 50 हजार नकली टैबलेट, डेढ़ हजार खाली सफेद डिब्बियां, भारी मात्रा में रैपर और अन्य पैकेजिंग सामग्री बरामद की गई है। इस सफलता पर पुलिस टीम को 20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोदीनगर निवासी सरगना मयंक अग्रवाल, दिल्ली निवासी अनूप गर्ग, नंदग्राम के तुषार ठाकुर व आकाश ठाकुर और निवाड़ी के नितिन त्यागी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नितिन त्यागी 2023 में नगर पंचायत अध्यक्ष पद का निर्दलीय चुनाव भी लड़ चुका है, जबकि तुषार ठाकुर गाजियाबाद के एक मेडिकल कॉलेज में पैरामेडिकल द्वितीय वर्ष का छात्र है। तुषार को दवाओं की तकनीकी जानकारी थी, जिसका उपयोग वह सप्लाई और कूरियर नेटवर्क संभालने में करता था।इस अवैध धंधे का खुलासा तब हुआ जब संबंधित नामी कंपनी के प्रतिनिधियों को अलीगढ़ के बाजार में नकली दवाएं बेचे जाने की गुप्त सूचना मिली। जांच करने पर पता चला कि इन दवाओं की खेप मुरादनगर से कूरियर के जरिए भेजी गई थी। पुलिस ने कूरियर कंपनी से मिले सुरागों के आधार पर एनपी ट्रेडिंग नामक एक फर्म का पता लगाया, जिसे फर्जी तरीके से पंजीकृत कराया गया था। 3 जनवरी 2026 को इस संबंध में औपचारिक मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद पुलिस ने साक्ष्य जुटाते हुए आरोपियों को दबोच लिया।

अभी भी गिरोह के छह अन्य सदस्य फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पूछताछ के दौरान गिरोह के काम करने के संगठित तरीके का खुलासा हुआ। आरोपियों ने महज चार महीने पहले ही यह काम शुरू किया था। वे मेरठ से सफेद डिब्बियां और ढक्कन बनवाते थे, जबकि खैरनगर में प्रिंटिंग प्रेस के जरिए हूबहू दिखने वाले रैपर तैयार कराए जाते थे। नकली टैबलेट्स का निर्माण सोनीपत स्थित एक प्रयोगशाला में कराया जा रहा था। इन सभी सामानों को एकत्र करने के बाद मुरादनगर में इनकी पैकिंग की जाती थी। गिरोह ने जीएसटी की फर्जी बिलिंग के लिए भी अलग से इंतजाम कर रखे थे ताकि किसी को शक न हो। यह गिरोह अब तक उत्तर प्रदेश के कई जिलों जैसे अलीगढ़, मथुरा, बिजनौर, आगरा, मेरठ और शामली में 50 हजार से अधिक नकली गोलियां खपा चुका है। वे मेडिकल स्टोर संचालकों को असली दवा के बाजार भाव से 20 प्रतिशत कम कीमत पर यह माल उपलब्ध कराते थे। पुलिस अब उन मेडिकल स्टोर संचालकों की भी भूमिका की जांच कर रही है जिन्होंने कम मुनाफे के चक्कर में इन नकली दवाओं को खरीदा। डीसीपी देहात ने बताया कि बरामद दवाओं के सैंपल लैब में जांच के लिए भेज दिए गए हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन नकली दवाओं में किन हानिकारक तत्वों का उपयोग किया गया था। यह मामला न केवल कॉपीराइट का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता के जीवन के साथ किया गया एक गंभीर अपराध भी है।

खामियों से भरी मतदाता सूची से ही चुनाव कराना चाहती हैं ममता बनर्जी:भाजपा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा इस प्रक्रिया के विरोध पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) राज्य में पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है और गलतियों से भरी मतदाता सूची के सहारे चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में है।

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष और सांसद समिक भट्टाचार्य ने राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा एसआईआर प्रक्रिया को पूरी तरह से समाप्त करना है। उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी दल त्रुटिपूर्ण वोटर लिस्ट के साथ चुनाव कराने के लिए बेताब है ताकि चुनावी लाभ लिया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बंगाल में हिंसा का दौर थम नहीं रहा है। भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद बड़े पैमाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुईं और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराध किए गए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां इन मामलों की जांच कर रही हैं, लेकिन स्थानीय पुलिस साक्ष्यों को मिटाने के प्रयासों में जुटी है। वहीं, भाजपा के दिग्गज नेता दिलीप घोष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किए जाने को ड्रामा करार दिया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य सरकार जब भी शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाती है, उसे हार का सामना करना पड़ता है क्योंकि उनकी अपीलों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं होता। घोष ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार लोगों को न्याय देने में विफल रही है, जिसके कारण आम जनता को बार-बार अदालतों की शरण लेनी पड़ती है। दिलीप घोष ने ममता सरकार पर तुष्टीकरण और विपक्षी दमन का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य के गांवों में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं और विपक्षी कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे क्षेत्रों में विशेष समुदाय के लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। भाजपा नेताओं ने पुलिस की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन टीएमसी के एक अंग के रूप में कार्य कर रहा है। इन बयानों के बाद बंगाल की राजनीति में एक बार फिर संवैधानिक प्रक्रियाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता : गुजरात के उद्योगों के लिए विकास का नया द्वार

– टैरिफ में बड़ी कटौती से टेक्सटाइल, हीरा, फार्मा, केमिकल और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर को मिलेगा अभूतपूर्व लाभ

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौता किया गया है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह समझौता विशेष रूप से गुजरात के उद्योगों के लिए विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगाए गए कड़े टैरिफ को लगभग 50 प्रतिशत से घटाकर करीब 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पादों की कीमतें अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगी और उनकी मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में गुजरात आज भारत का सबसे बड़ा निर्यातक राज्य बन चुका है। राज्य में टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स, केमिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मजबूत औद्योगिक आधार मौजूद है। इस व्यापार समझौते से इन सभी क्षेत्रों को नया प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते का सबसे अधिक लाभ टेक्सटाइल और कपड़ा उद्योग को मिलने की संभावना है। टैरिफ में कमी के चलते गुजरात के गारमेंट और होम टेक्सटाइल उत्पाद अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इसके परिणामस्वरूप मध्यम अवधि में टेक्सटाइल निर्यात में 100 से 150 प्रतिशत तक की वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। इससे राज्य के प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों में उत्पादन बढ़ेगा, अमेरिका से नए ऑर्डर प्राप्त होंगे और उद्योग की लाभप्रदता में भी वृद्धि होगी।

यह समझौता विशेष रूप से सूरत के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। दुनिया के सबसे बड़े डायमंड पॉलिशिंग हब के रूप में पहचाने जाने वाले सूरत के हीरा उद्योग को इस निर्णय से बड़ा फायदा होगा। टैरिफ में कटौती से उद्योग का मार्जिन सुधरेगा और मांग में पुनः तेजी आएगी। साथ ही, पहले उच्च टैरिफ के कारण हुए नुकसान की भरपाई होगी और अमेरिकी बाजार में हीरा उद्योग की पकड़ फिर से मजबूत होगी।

इसके अलावा, भरूच, वापी और अहमदाबाद स्थित केमिकल और फार्मा क्लस्टरों को भी इस व्यापार समझौते से बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। पहले इन क्षेत्रों के निर्यात में लगभग 25-30 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी, अब इसमें सुधार आएगा और उद्योगों को नई गति मिलेगी। कई फार्मास्युटिकल उत्पादों को शून्य या कम शुल्क का लाभ मिलने से अमेरिका जैसे रेगुलेटेड मार्केट में गुजरात की स्थिति और मजबूत होगी।

रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में, विशेष रूप से सोलर मैन्युफैक्चरिंग को इस समझौते से नया प्रोत्साहन मिलेगा। सोलर पैनल और उनके कंपोनेंट्स का उत्पादन बढ़ेगा और अमेरिका को इनका निर्यात अब व्यावसायिक रूप से अधिक लाभकारी होगा। इससे वैश्विक सप्लाई चेन में गुजरात की भूमिका और सशक्त बनेगी।

इसके साथ ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हस्तशिल्प और पारंपरिक कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को भी अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलने से बड़ा लाभ होगा। निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि का सीधा सकारात्मक प्रभाव राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। एमएसएमई इकाइयों, फैक्ट्रियों, लॉजिस्टिक्स और सहायक सेवाओं में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

निर्यात से जुड़े एमएसएमई सशक्त होंगे, जिससे उद्यमियों और श्रमिकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति और मजबूत बनेगी। कुल मिलाकर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता गुजरात के

औद्योगिक विकास के लिए एक 'बूस्टर डोज़' के समान सिद्ध होगा। टैरिफ में कटौती और व्यापारिक सुगमता से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा, एमएसएमई को गति मिलेगी और गुजरात वैश्विक मूल्य श्रृंखला—विशेष रूप से उच्च मूल्य वाले अमेरिकी बाजार—में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरेगा।

सरकार द्वारा गजट नोटिफिकेशन जारी होने के बावजूद वाहनों के ट्रांसफर में भौतिक सत्यापन से वाहन स्वामी पशोपेश में

सेक्शन मार्किंग के नाम पर चार्ज तक वसूल किया जा रहा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

प्रदेश में वाहन ट्रांसफर की प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है, बावजूद इसके भीलवाड़ा परिवहन विभाग में ऐसा नहीं हो रहा है। परिवहन और सड़क सुरक्षा विभाग की ओर से नई अधिसूचना जारी कर वाहन ट्रांसफर के लिए भौतिक सत्यापन करवाने की व्यवस्था को बंद कर दिया था, लेकिन भीलवाड़ा में अभी भी परिवहन विभाग में इस तरह की व्यवस्था बनी हुई है। जबकि नियमानुसार यह गलत है। इस बदलाव से वाहन मालिकों को राहत मिलने की उम्मीद थी, और दलालों से भी मुक्ति मिलती लेकिन व्यवस्था शुरू नहीं होने से वाहन मालिक वाहन को लेकर परिवहन विभाग में पहुंच रहे है, वहीं सेक्शन मार्किंग के नाम पर वाहन स्वामी को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

अधिसूचना के अनुसार स्थानीय या राज्य के भीतर खरीदे गए वाहनों के ट्रांसफर के समय भौतिक सत्यापन करवाने की अनिवार्यता समाप्त किया था। ये फैसला राज्य सरकार की पिछले साल की बजट घोषणा के तहत किया था। ट्रांसफर के समय भौतिक सत्यापन करवाने की अनिवार्यता समाप्त किया था। ये फैसला राज्य सरकार की पिछले साल की बजट घोषणा के तहत की थी। बदलाव के बाद स्थानीय और राज्य के भीतर क्रय-विक्रय किए गए वाहनों के ट्रांसफर के समय भौतिक सत्यापन की जरूरत नहीं है।

इसके अलावा अलग से बॉडी निर्मित वाहनों (जैसे ट्रक, बस, ट्रैक्टर आदि) और अन्य राज्यों से खरीदे गए वाहनों का भौतिक सत्यापन की आवश्यक है। लेकिन, भीलवाड़ा परिवहन विभाग इसे नहीं मान रहा। वहीं जिला परिवहन अधिकारी ने इस तरह के किसी भौतिक सत्यापन की बात को निराधार बताते हुए कहा की अगर किसी की शिकायत है तो वह सीधे आकर मिल सकते हैं। जबकि सूत्रों की मानें तो भौतिक सत्यापन के लिए अभी भी तीन इंस्पेक्टर नियुक्त कर रखें सेक्शन मार्किंग के नाम पर चार्ज तक वसुल किया जा रहा है। जिला परिवहन विभाग पहुंचे कुछ वाहन स्वामियों ने बताया की भौतिक सत्यापन के दौरान वाहन की उपलब्धता का अनिवार्य होना समझ से परे है, जबकी गत् वर्ष के बजट पेश के दौरान डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने इसे सरल बनाने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया था।

इनका कहना है

राज्य सरकार द्वारा बदलाव के बाद ऐसा नहीं होना चाहिए, वाहन ट्रांसफर के लिए अगर कोई वाहन लेकर आ रहा है तो इसे दिखवा लेते है। विभाग के अधिकारियों द्वारा ऐसा नहीं किया जाना चाहिए, फिर भी अगर किसी की शिकायत है तो इसके बारे में पता कर लेता हूं।

रामकृष्ण चौधरी, जिला परिवहन अधिकारी, भीलवाड़ा

भजनलाल सरकार के तीसरे बजट में खुलेगा सौगातों का पिटारा! दिया कुमारी ने दिया अंतिम रूप

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत करेंगी। दिया कुमारी सोलहवीं विधानसभा के पंचम एवं बजट सत्र में बुधवार को ग्यारह बजे सदन में लगातार अपना तीसरा बजट भाषण देंगी। उन्होंने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय में वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया, शासन सचिव वित्त (व्यय) टीना सोनी, शासन सचिव वित्त (बजट) राजन विशाल, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कुमारपाल गौतम एवं निदेशक वित्त (बजट) बृजेश किशोर शर्मा मौजूद थे

बजट से उम्मीदें

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार का आगामी बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों और शहरी-ग्रामीण विकास पर केंद्रित रहने के संकेत दे रहा है। माना जा रहा है कि इस बार कई नई योजनाओं के साथ बड़े स्तर पर घोषणाएं की जा सकती हैं। खासतौर पर रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते हुए नई भर्तियों का ऐलान संभव है।

पेंशनभोगियों को राहत देने के उद्देश्य से सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। वहीं विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि पर भी सरकार विचार कर सकती है। परिवहन क्षेत्र में भी बड़े फैसले सामने आ सकते हैं। रोडवेज बेड़े को मजबूत करने के लिए नई बसों की खरीद की घोषणा संभव है। इसके साथ ही शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को बढ़ावा देने की योजना बनाई जा रही है।सिर्फ घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय सरकार वित्तीय अनुशासन पर भी जोर दे सकती है। अनावश्यक खर्चों में कटौती कर राजकोषीय घाटा कम करने की रणनीति अपनाई जा सकती है। जीएसटी वसूली को और सख्त बनाने तथा आय के नए स्त्रोत विकसित करने पर भी फोकस रहेगा, ताकि राज्य पर कर्ज का बोझ कम हो। कुल मिलाकर आगामी बजट विकास की रफ्तार और वित्तीय संतुलन के बीच तालमेल साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

हमीरगढ़ में नेशनल हाईवे पर बड़ा प्रशासनिक एक्शन

अवैध अतिक्रमण हटाकर यातायात किया सुचारू

स्मार्ट हलचल | मंगरोप

हमीरगढ़ उपखंड अधिकारी झंवर लाल मित्तल के नेतृत्व में मंगलवार को चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई।इस दौरान नेशनल हाईवे अथॉरिटी की बेशकीमती भूमि पर किए गए स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण,दुकानों और अन्य ढांचों को हटाया गया।प्रशासन की इस कार्रवाई से हाईवे पर यातायात व्यवस्था सुचारू हुई और आमजन को बड़ी राहत मिली।उपखंड अधिकारी झंवर लाल मित्तल ने बताया कि परिवादी ने उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर नेशनल हाईवे पर अवैध अतिक्रमण किए जाने की शिकायत दी थी।जिसमें अतिक्रमण हटाने की मांग की गई थी।जांच में पाया गया कि न्यू गिल पंजाब होटल मालिक ने पिछले डेढ़ साल से नेशनल हाईवे अथॉरिटी की भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर रखा था।उन्होंने बताया कि संबंधित अतिक्रमणकारियों को पूर्व में अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस भी जारी किए गए थ लेकिन इसके बावजूद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया।उच्च अधिकारियों के निर्देश पर मंगलवार को भारी जाप्ते के बीच उक्त भूमि पर बने पक्के निर्माण सहित टीन शेड को जेसीबी मशीन से तोड़कर हटाया गया।उपखंड अधिकारी मित्तल ने अतिक्रमणकारियों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की कड़ी चेतावनी दी साथ ही कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।इस कार्रवाई के दौरान जिला पुलिस बल एवं नेशनल हाईवे अथॉरिटी के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

राशन के गेहूं में मिट्टी और गुटखे की रैपर, नाराज ग्रामीण गेहूं लेकर पहुंचा कलेक्टर के पास

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान के भरतपुर में सरकारी राशन को लेकर अजीब मामला सामने आया है. एक ग्रामीण को राशन में गेहूं दिया गया तो उसमें मिट्टी के साथ गुटखे के रैपर मिले. इस बात से नाराज होकर ग्रामीण गेहूं का कट्टा और अपनी शिकायत लेकर सीधे कलेक्टर कमर चौधरी के पास पहुंच गया. हालांकि उसकी मुलाकात कलेक्टर साहब से नहीं हो पाई क्योंकि वह मीटिंग में थे. लेकिन रसद विभाग के अधिकारियों ने बुजुर्ग को बुलाया और गेहूं की जांच की. अफसरों ने राशन डीलर को फोन किया और गेहूं बदलने के आदेश दिए।

यह पूरा मामला भरतपुर जिले का है, यहां फतेहपुर के रहने वाले दीवान सिंह ने बताया कि सोमवार (9 फरवरी) को फतेहपुर डीलक के पास अनाज लेने गया था. लेकिन डीलर ने जो गेहूं दिया उसमें मिट्टी और गुटखे के रैपर मिले हुए थे।

डीलर ने कहा ऊपर से ही ऐसा अनाज आ रहा:

अनाज देने के बाद डीलर ने एंट्री कर दी थी. दीवान सिंह ने बताया कि जब राशन डीलर से अनाज को लेकर शिकायत की तो उसने कहा कि ऐसा ही अनाज ऊपर से आ रहा है, इसलिए आपको भी ऐसा ही अनाज मिलेगा. अगर चाहिए तो ले जाओ, नहीं तो यहीं छोड़ दो. ऐसे में दीवान सिंह अपनी शिकायत लेकर सीधे कलेक्टर ऑफिस पहुंचा. लेकिन कलेक्टर कमर चौधरी से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई. वहीं, रसद विभाग के डीएसओ पवन अग्रवाल ने बताया कि एक ग्रामीण गेहूं लेकर आया था, जिसमें कुछ मिट्टी मिली थी. तुरंत राशन डीलर को फोन कर गेहूं को बदलने के निर्देश दिए गए. हालांकि सवाल यह है कि अगर राशन डीलर ऐसे गेहूं दे रहा है तो पूरे गांव में ऐसे अनाज बांटे जा रहे हैं, जो बड़ी लापरवाही है. अगर ऐसे अनाज राशन डीलर को दिए जा रहे हैं तो यह उससे भी बड़ी लापरवाही है।

रास्ते में रोककर नाबालिग के साथ छेड़छाड़ की दातों से कांटा

पोक्सो एक्ट के आरोपी को अब भुगतना पड़ेगा दंड, 3 साल कैद और जुर्माने की सजा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा पोक्सो कोर्ट संख्या एक के विशिष्ट न्यायाधीश बाल कृष्ण मिश्र ने पोक्सो एक्ट के आरोपी को सजा सुनाई । आरोपी सुनील उर्फ सोनू बारेठ को 3 साल कठोर कारावास और 16 हजार रु से दंडित किया, मामला 16 नवंबर 2024 का है । विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने बताया की आरोपी ने 17 वर्षीय नाबालिग को रास्ते में रोककर उसके साथ न सिर्फ छेड़छाड़ की थी बल्कि उसको दातों से बुरी तरह काट दिया जिस पर पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी मौके से भाग छूटा पूरा घटनाक्रम नाबालिग ने घर जाकर अपने परिजनों को बताया । पीड़िता की मां ने पुर थाने में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया । पुलिस ने पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की ओर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय में चार्जशीट दाखिल की । डेढ़ साल तक मामले में सुनवाई चली इस दौरान लोक अभियोजक कानावत ने आरोप सिद्ध करने के लिए 10 गवाह और 14 दस्तावेज पेश किए । जिस पर न्यायाधीश ने आरोपी को 3 साल कठोर कारावास और 16 हजार रु अर्थदंड से दंडित किया।

स्मैक तस्करी का आरोपित आबिद खान दो साल के कठोर कारावास और जुर्माना

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) जगदीशप्रसाद शर्मा ने प्रतापगढ़ जिले के रठाजना थाना क्षेत्र के कनोरा निवासी आबिद खान पुत्र अब्बास खान को दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष के कठोर कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरुप गुर्जर ने बताया कि यह मामला 30 दिसंबर 2018 का है, जब सुभाषनगर थाने के तत्कालीन अधिकारी अजयकांत शर्मा पुलिस जाप्ते के साथ रोडवेज बस स्टैंड क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस की नजर एक युवक पर पड़ी, जो संदिग्ध अवस्था में इधर उधर घूम रहा था। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो उसने अपना नाम आबिद खान बताया।

तलाशी के दौरान पुलिस को उसके कब्जे से 20 ग्राम स्मैक बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ जब्त कर आबिद को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। अनुसंधान पूरा होने पर पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया। ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने पूरे मामले को मजबूती से अदालत के सामने रखा। कुल 49 दस्तावेज और 9 गवाह प्रस्तुत कर यह साबित किया गया कि आरोपी नशीले पदार्थ की तस्करी में लिप्त था। सभी पक्षो की सुनवाई और साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद अदालत ने आबिद को दोषी मानते हुए सख्त सजा सुनाई।

एसपी ने किया पारोली थाने का निरीक्षण, पुलिस कार्मिकों की बैठक ली

स्मार्ट हलचल | रोपा

भीलवाड़ा पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने एडिशनल एसपी शाहपुरा राजेश आर्य और सीओ कोटड़ी सुरेश कुमार की उपस्थिति में पारोली थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया । इस दौरान पुलिस स्टाफ की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण में लंबित जन शिकायतों की समीक्षा, अपराध संबंधी कार्यों की प्रगति, थाना परिसर व स्वागत कक्ष की साफ-सफाई, रख-रखाव, महिला पुलिसकर्मियों के लिए मूलभूत सुविधाओं और सीसीटीवी व्यव-स्था का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पारोली थाना प्रभारी सियाराम सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

सुभाषनगर की सभी क्षतिगस्त सड़कों को दुरस्त करने की मांग

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के सुभाषनगर क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों को लेकर आमजन में भारी आक्रोश एवं परेशानी का माहौल है। सुभाषनगर वार्ड नंबर 64 मलान क्षेत्र में चारभुजानाथ मंदिर के आसपास की सड़क, टेम्पू स्टैंड के पास विवेकानंद पार्क के पीछे वाली सड़क तथा छोटी पुलिया के सामने ए-सेक्टर की सड़कें पूरी तरह से जर्जर अवस्था में हैं। इन सड़कों के अत्यधिक क्षतिग्रस्त होने के कारण आमजन को पैदल चलने एवं वाहनों के आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह गड्ढों के कारण हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके साथ ही बीमार व्यक्तियों को अस्पताल ले जाने में भी टूटी सड़कों के कारण भारी परेशानी हो रही है। आमजन की इस गंभीर समस्या को देखते हुए आम आदमी पार्टी के नेता हेमेन्द्र सिंह मेहता एवं धमेन्द्र शर्मा ने विधायक एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि सुभाषनगर चारभुजानाथ मंदिर के आसपास की सड़क, विवेकानंद पार्क के पीछे वाली सड़क तथा छोटी पुलिया के सामने ए-सेक्टर की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों का शीघ्र मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

महुआ भाजपा : शर्मा की नई टीम का ऐलान

जातीय समीकरणों का रखा ध्यान, 6 उपाध्यक्ष और 6 मंत्रियों की घोषणा, संगठन में नए चेहरों को मौका

स्मार्ट हलचल | राकेश चंदेरिया

महुआ। भारतीय जनता पार्टी महुआ मंडल अध्यक्ष बृजमोहन शर्मा ने संगठन विस्तार करते हुए अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के निर्देश और विधायक गोपाल खंडेलवाल की सहमति से जारी इस सूची में जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने का प्रयास किया गया है।

इन्हें मिली जिम्मेदारी

मंडल अध्यक्ष शर्मा ने बताया कि कार्यकारिणी में रणवीर सिंह शक्तावत, विष्णु कुमार शर्मा और हरजी रेबारी (सरपंच, मुकुंदपुरिया) सहित उकार लाल बेरवा, कंचन देवी नाथ और भेरूलाल गुर्जर को उपाध्यक्ष बनाया गया है। संगठन संचालन की अहम जिम्मेदारी यानी महामंत्री पद पर कैलाश चंद्र सुखवाल और अरविंद कुमार माली को नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा, नरेश कुमार रायका, चंदा देवी प्रजापत, गोपाल लाल बलाई, आरती गर्ग, देऊ धाकड़ और सीमा मीणा को मंत्री तथा कैलाश चंद्र तेली को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

मेजा के पशु चिकित्सालय में चोरों की धमाचौकड़ी, कीमती दस्तावेज चुराए

महत्वपूर्ण दस्तावेजों को किया खुर्द बुर्द

स्मार्ट हलचल

मांडल। मांडल क्षेत्र के मेजा स्थित पशु चिकित्सालय में सोमवार बीती रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाश रात के समय चिकित्सालय में घुसकर वहां रखे लैपटॉप सहित अन्य कीमती उपकरण चोरी कर ले गए। चोरों ने वारदात के दौरान चिकित्सालय में रखे गए महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी खुर्द-बुर्द कर दिया, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।घटना की जानकारी मिलने पर पशु चिकित्सा कर्मी कुलदीप सेन ने मांडल थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है।

ज्योति नगर कॉलोनी में चुनाव संपन्न

नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा कस्बे की ज्योति नगर कॉलोनी में कॉलोनी समिति के चुनाव सोमवार सायं शांतिपूर्वक संपन्न हुए। यह बैठक निवर्तमान अध्यक्ष सुनील कुमार गोखरू के आवास पर संरक्षक तेजपाल उपाध्याय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सुनील गोखरू ने की। बैठक में निवर्तमान कार्यकारिणी द्वारा अपने कार्यकाल में किए गए सामाजिक कार्यक्रमों एवं कॉलोनी की समस्याओं के समाधान के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने निवर्तमान कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया।

इसके बाद नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव रखा गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। चुनाव में गिरिराज उपाध्याय को अध्यक्ष, लक्ष्मण सिंह शेखावत को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनीष सर्वा को उपाध्यक्ष, शिवचरण शर्मा को सचिव, शिवराज चोखड़ा को सह-सचिव, सत्येंद्र जाजू को कोषाध्यक्ष एवं सुनील कुमार शर्मा को सह संरक्षक नियुक्त किया गया।

निवर्तमान अध्यक्ष सुनील गोखरू ने अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए सभी का आभार जताते हुए नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक में चंद्र प्रकाश तोषनीवाल, राजकुमार अग्रवाल, त्रिलोक गगरानी, शुभम काल्या, दिनेश झंवर, अभिषेक झंवर, गिरिराज शर्मा, चंचल शर्मा, विक्रम सिंह सक्तावत, राजेश झंवर, सुनील दत्त पाराशर, चंद्र प्रकाश शर्मा एवं बिट्टू सेन सहित कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थ का परिवहन करते दो युवक गिरफ्तार, देशी पिस्टल, 8 कारतूस और मिनी ट्रक जब्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

सदर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ परिवहन करने के मामले में 2 युवको को गिरफ्तार किया है और 42 किलो 160 ग्राम अवैध डोडा चुरा, एक देशी पिस्टल मय 8 कारतुस और घटना मे प्रयुक्त वाहन मिनी ट्रक को जप्त किया। एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा अवैध मादक पदार्थो की रोकथाम के लिए निरन्तर अभियान चलाया जा रहा है । इसके तहत एएसपी पारसमल जैन के निर्देशन, सदर वृताधिकारी माधव उपाध्याय के निकटतम सुपरविजन मे उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया ।

दिनांक 09.02.2026 को गजेन्द्र सिंह सदर थानाधिकारी को एएसआई अयुब मोहम्मद हाल पद-स्थापित एन.टी.एफ चौकी भीलवाडा सें सूचना मिली कि सरस डेयरी चौकी के आगे, जोधडास चैराये के पास एक संदिग्ध अशोक लिलेण्ड मिनी ट्रक, जिसमे 2 व्यक्ति सवार है, को रूकवा रखा है तथा ट्रक के पीछे तिरपाल लगा हुआ है। उक्त मिनी ट्रक मे अवैध मादक पदार्थ होने की पुर्ण संभावना है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर घटनास्थल जोधडास चौराहे सरस डेयरी चौकी के पास अजमेर-भीलवाडा रोड पर जाब्ता पहुंचा जहां एक संदिग्ध मिनी ट्रक खड़ा मिला मौके पर नियमानुसार एन.डी.पी.एस एक्ट के प्रावधान अनुसार तलाशी ली तों चालक सीट पर बैठे युवक ने अपना नाम राजकुमार पुत्र सुमेरराम विश्नोई उम्र 35 साल निवासी गुढा विश्नोईयान थाना विवेकविहार जिला जोधपुर एवं खलासी साईड की सीट पर बैठे युवक महिपाल पुत्र भागीरथ चैधरी उम्र 23 साल निवासी गंगाणी थाना करवड जिला जोधपुर हाल निवासी एकता नगर, नांदडी थाना बनाड जिला जोधपुर होना बताया। मिनी ट्रक की ट्रोली में मेट पॉलिस्टर फिल्मस के रॉल भरे हुये थे, ट्रोली के नीचे टुल बॉक्स मे 2 प्लास्टिक के कट्टे एवं केबिन मे बॉक्स के नीचे 0 में1 प्लास्टिक कट्टा कुल 3 प्लास्टिक के कट्टो मे 42 किलो 160 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चुरा एवं परिचालक महिपाल की गोद मे रखी नीले रंग के बैग मे 1 पिस्टल जिसकी मैगजीन मे कुल 5 कारतुस लॉड किये हुये थे एवं 1 अन्य मैगजीन जिसमे कुल 3 कारतुस लॉड किये हुये बरामद हुये। मौके पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुयें जप्तशुदा सामग्री को जप्त कर दोनो आरोपी राजकुमार व महिपाल को गिरफ्तार किया गया ओर एन.डी. पी.एस एक्ट, आर्म्स एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच शुरू की ।

गठित पुलिस टीम

टीम में थानाप्रभारी गजेन्द्र सिंह के साथ एएसआई अयुब मोहम्मद सउनि प्रभारी ए.एन.टी.एफ चौकी भीलवाडा, कांस्टेबल राजाराम (विशेष योगदान) नारायण (विशेष योगदान), राधेलाल, सुरेश, कमल किशोर और राजुराम शामिल थे।

मॉडल स्कूल बनेड़ा के दो छात्रों का राज्य पुरस्कार के लिए चयन

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल के दो छात्रों का स्काउट गाइड के राज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार के लिए चयन हुआ है। मॉडल स्कूल प्रधानाचार्य भरत देव धाभाई ने बताया कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र जगतपुरा जयपुर में 11 फरवरी को आयोजित होने वाले राज्य पुरस्कार समारोह में स्थानीय विद्यालय के यूनिट लीडर दीपक कुमार शर्मा के नेतृत्व में दो छात्र रौनक गारू व आयुष सिंह गौड़ सम्मिलित होंगे।. स्थानीय स्काउट गाइड संघ बनेड़ा के सचिव सुरेश चंद्र शर्मा व समस्त स्टाफ साथियों ने राज्य पुरस्कार में सम्मिलित होने वाले दोनों छात्रों को शुभकामनाएं दी है।

टायर फटने गाड़ी पलटी, सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकराई, कोटड़ी एसडीएम व चालक घायल

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर बड़लियास रोड़ पर कोटडी उपखंड अधिकारी की गाड़ी का टायर फटने से गाड़ी पलट गई, जिसमें उपखंड अधिकारी व चालक घायल हो गए, सूचना पर बड़लियास थाना पुलिस मौके पर पहुंची । प्राप्त जानकारी के अनुसार कोटड़ी उपखंड अधिकारी तानिया रिणवा बड़लियास में कृषक सेवा सहकारी संस्था में निरीक्षण के लिए जा रही थी, इसके दौरान चांदगढ़ गांव के पास अचानक टायर फटने से गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकराकर पलट गई, इसमें एसडीएम रिणवा व चालक घायल हो गए । दोनों को सवाईपुर चिकित्सालय में पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उपखंड अधिकारी को गंभीर हालत होने पर भीलवाड़ा चिकित्सालय रैफर किया गया, वहीं सूचना मिलने पर मौके पर बड़लियास नायब तहसीलदार मदनलाल शर्मा, एएसआई गोपाल सिंह, आकोला व जीवाखेड़ा पटवारी मौके पर पहुंचे । दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों व राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई ।।

चिकित्सालय में नहीं मिला डॉक्टर नर्सिंग ऑफिसर ने किया उपचार

हादसे में घायल हुई उपखंड अधिकारी तानिया रिणवा व चालक को सवाईपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य

केंद्र पर लेकर आये लेकिन यहां पर कोई डॉक्टर मौजूद नही था, जिसके चलते नर्सिंग ऑफिसर को उपखंड अधिकारी का प्राथमिक उपचार करना पड़ा वह उनको भीलवाड़ा रेफर किया । वही ग्रामीण में चर्चा है कि अगर उपखंड के मुखिया के ईलाज के लिए भी डॉक्टर उपलब्ध नहीं हो तो आमजन का क्या होगा।

सड़क किनारे लगे पोल बन रहे हादसे का कारण

क्षेत्र में नई विद्युत लाइन डालने के दौरान ठेकेदार द्वारा विद्युत पोल को सड़क से महज कुछ दूरी पर ही लगा दिया जाता है, जिसके चलते आए दिन हादसे देखने को मिल रहे हैं । इसको लेकर रेड़वास विद्युत ग्रीड का शिलान्यास करने पहुंचे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर से भी पत्रकारों ने इस संबंध में सवाल किया, जिस पर ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा था कि उन्होंने इस संबंध में गाइड लाइन जारी कर रखी है कि सड़क के किनारे विद्युत पोल ना लगाएं क्योंकि जब भी कोई सड़के चौड़ी होती हैं तो उन्हें वापस हटाना पड़ता है ।

भीनमाल माघ कॉलोनी में हुई चोरी की घटना पुलिस पहुंची मौके पर

स्मार्ट हलचल

भीनमाल पुलिस ने पहुंचकर किया मौका मुआयना सीसीटीवी कैमरा के आधार पर की जा रही जांच चोरो ने एक जैन घर मंदिर व सूने पड़े 3 मकानों के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया गया अंजाम मोहल्ले वासियों ने बताया कि माघ कॉलोनी में एम भंवर जैन का मकान हैं उसमें चोरी हुई उनका परिवार जो वर्तमान में मुंबई में रहता हैं उनके घर के ताले टूटे हैं।

उनके पड़ोस के मकान के पास में जयंती शर्मा एवं उसके भाई विनोद शर्मा का मकान हैं उनके भी ताले टूटे दोनों भाई अपने परिवार सहित कल एक शादी समारोह में पाली गए हुए थे

उनके मकान के भी ताले टूटे एवं अंदर से चोरी हुई एवं सामने ही एक जैन मंदिर देासर हैं उसके भी ताले टूटे वहां पर कोई चोरी नहीं हुई सुबह पुजारी के आने पर पता चला। तीन मकान मालिकों के आने के बाद पता चलेगा कितनी चोरी हुई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया एवं जांच शुरू की!

वरिष्ठ पत्रकार जगदीश जोशी का निधन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर के जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार जगदीश जोशी का मंगलवार दोपहर 77 वर्ष की आय में निधन हो गया।

वे पिछले लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही भीलवाड़ा के पत्रकारिता और शैक्षणिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। जोशी जी ने अपने सुदीर्घ करियर में कई राष्ट्रीय, प्रांतीय और जिला स्तरीय समाचार पत्रों एवं चैनलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पत्रकारिता के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका अमूल्य योगदान रहा। उन्होंने लंबे समय तक संस्कृत विद्यापीठ विद्यालय में अध्यापन कार्य कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

स्व. जोशी अपने सहज, सरल और मिलनसार स्वभाव के लिए पहचाने जाते थे। उनका जाना भीलवाड़ा मीडिया जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

एडवोकेट मुकेश सुवालका को मिलेगा 'बेरी गौरव अवार्ड'

25 राष्ट्रों के राष्ट्रीय ध्वजों के सानिध्य में होगा ऐतिहासिक आयोजन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा/जयपुर

भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा एवं पंचशील सिद्धान्तों को वैश्विक पटल पर सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कार्यरत अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, लोकप्रिय एवं यशस्वी न्यायविद न्यायमूर्ति भगवती प्रसाद बेरी जी की 113वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामयी समारोह का आयोजन दिनांक 22 फरवरी 2026 को राजस्थान की राजधानी जयपुर में किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर सम्पूर्ण राजस्थान से चयनित 51 विशिष्ट प्रतिभाओं को उनके सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रहित में किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए 'बेरी गौरव अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 25 राष्ट्रों (भारत, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, अल्जीरिया, अंगोला, ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया, फिनलैंड, ट्यूनीशिया, जर्मनी, इराक, इज़राइल, मैसेडोनिया, मोरक्को, नीदरलैंड, नाइजीरिया, नॉर्वे, रोमानिया, डेनमार्क, श्रीलंका, मालदीव, किर्गिज़स्तान, फिलिस्तीन एवं फिजी) के राष्ट्रीय ध्वजों के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा, जो इस आयोजन को अंतर्राष्ट्रीय गरिमा एवं वैश्विक पहचान प्रदान करेगा। मंच द्वारा चयनित विशिष्ट प्रतिभा मुकेश सुवालका, एडवोकेट न्यायालय परिसर भीलवाड़ा को मंच के प्रेरणास्रोत एवं विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों द्वारा 'बेरी गौरव अवार्ड' के अंतर्गत शॉल, साफा, स्मृति चिह्न (मोमेंटो) एवं सम्मान-पत्र (फोल्डर) प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रतिभा एडवोकेट मुकेश सुवालका ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति भगवती प्रसाद बेरी जी ने अपने जीवन में सफलता की सर्वोच्च ऊँचाइयों को स्पर्श किया। वे एक बहुमुखी विचारक, उत्साही पाठक, कुशल लेखक, प्रतिभाशाली वाद-विवादकर्ता एवं तर्कशील वक्ता थे। उनके नाम से दिया जाने वाला यह सम्मान प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-नेपाल की वैदिक कालीन संस्कृति का पुनरुत्थान, भारत का पुनः वैदिक कालीन जगद्गुरु के आसन पर प्रतिष्ठित होना, भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो पावर सहित स्थायी सदस्यता प्राप्त होना तथा अयोध्या को संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय बनाया जाना जैसे विचार न्यायमूर्ति बेरी जी की वैचारिक विरासत का अभिन्न अंग रहे हैं। 'बेरी गौरव अवार्ड' से सम्मानित किए जाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रतिभा के परिवारजनों, समाज के प्रबुद्ध नागरिकों एवं शुभचिंतकों द्वारा उन्हें हार्दिक बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।

राजसेस महाविद्यालयों में संविदा नियुक्तियों की चयन प्रक्रिया पर तत्काल रोक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पुनर्संरचना की माँग

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (उच्च शिक्षा) की शाहपुरा महाविद्यालय इकाई द्वारा आज राजसेस (राजसेस) महाविद्यालयों की वर्तमान संकल्पना एवं संचालन व्यवस्था के विरोध में मुख्यमंत्री को जनप्रतिनिधि माननीय विधायक महोदय के माध्यम से दिया7 महासंघ का स्पष्ट मत है कि राजसेस योजना के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों का वर्तमान स्वरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की मूल भावना के विपरीत है। इन महाविद्यालयों में स्थायी अकादमिक ढांचे का अभाव, अपर्याप्त अधोसंरचना एवं संसाधन, शोध एवं नवाचार की संभावनाओं का न होना तथा संविदा एवं अस्थायी नियुक्तियों पर आधारित अध्यापन व्यवस्था राज्य की उच्च शिक्षा को गुणवत्ता, बहुविषयकता एवं अकादमिक निरंतरता से दूर ले जा रही है। महासंघ ने अवगत कराया कि सत्र 2020-21 से 2022-23 के मध्य राजसेस योजना के अंतर्गत 303 नवीन महाविद्यालय खोले गए तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में 71 अतिरिक्त राजसेस महाविद्यालय खोले जा चुके हैं, जिससे इनकी कुल संख्या 374 हो गई है। इनमें से लगभग 260 राजसेस महाविद्यालयों में आज भी एक भी स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत नहीं है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विधानसभा चुनाव-2023 के पश्चात गठित राज्य सरकार द्वारा राजसेस महाविद्यालयों एवं विषयों के संचालन के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशें अब तक न तो सार्वजनिक की गई हैं और न ही लागू की गई हैं। महासंघ ने यह भी गंभीर आपत्ति दर्ज कराई कि भर्ती परीक्षा कैलेंडर-2026 के माध्यम से राजसेस नियम-2023 में परिवर्तन कर पाँच वर्षों के लिए 28500 रुपये के नियत वेतन पर संविदा टीचिंग एसोसिएट एवं अशैक्षणिक पदों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके लिए अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड को अभ्यर्थना भेजी जा चुकी है। महासंघ के अनुसार यह व्यवस्था अस्थायी, असुरक्षित एवं नीति-विरोधी है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के सर्वथा विपरीत है। महासंघ ने राज्य सरकार से माँग की कि राजसेस महाविद्यालयों के संबंध में गठित सोडाणी समिति की सिफारिशों को अविलंब लागू किया जाए, राज्य में संचालित सभी राजसेस महाविद्यालयों को सामान्य राजकीय महाविद्यालयों के रूप में संचालित करने के स्पष्ट आदेश जारी किए जाएँ तथा संविदा नियुक्तियों की प्रस्तावित चयन प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। महासंघ ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो संगठन को लोकतांत्रिक एवं आंदोलनात्मक मार्ग अपनाने के लिए विवश होना पड़ेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

पंडित अशोक शर्मा का नागरिक अभिनंदन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

चंद्रशेखर आजाद नगर सब्जी मंडी चौराहा पर पंडित अशोक शर्मा के पंचवर्षीय पार्षद का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर समस्त वार्ड वासियो द्वारा भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया । विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि ज़ब भी जनहित के काम बताये गए उस कार्य को करने का पूर्ण प्रयास किया एवं वह कार्य हुए इस मोके पर नि वर्तमान पार्षद का साफा बंधवाकर माला पहना कर मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया गया दिनेश गोड़ ने बताया कि नि वर्तमान पार्षद ने अपने उद्बोधन में बताया कि 5 वर्षीय पार्षद कार्यकाल से सेवा मुक्त हो रहे हैं । सार्वजनिक कार्य, जनहित कार्य, समाज सेवा के कार्य से मुक्त नहीं हो रहा हूं यह सभी कार्य करने के लिए सदैवबार्ड वासियो के लिए तैयार रहेंगे सदैव सहयोग करने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार जताया एवं इस मोके पर समस्त वार्ड वासियो ने आगे भी नि वर्तमान पार्षद को स्नेह, समर्थन, पूर्ण सहयोग करने विश्वास दिलाया उपरोक्त कार्यक्रम मे विक्रम सिंह राठौड़, राजेंद्र माहेश्वरी, दिनेश गोड़, विष्णु अग्रवाल, पूरन सिंह पुरावत, दीपक सुवालका, महेश शर्मा, अल्ताफ हुसैन अंसारी, अभिषेक आर्य, रवि सेन, नरेंद्र सिंह, पियूष दाधीच, गोपाल शर्मा, शिव चांडक, राजेश शर्मा, सोम शर्मा, दीपक शर्मा, इंद्र सिंह, चदु डीजे, हरि चरण शर्मा, देव किशन शर्मा, आयुष शर्मा, मथुरा लाल दसोरा, आदि कई वार्ड वासी उपस्थित थे।

धुलखेड़ा ओवरब्रिज के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मोपेड सवार बुजुर्ग की मौत

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। मांडल थाना क्षेत्र के धुलखेड़ा ओवरब्रिज के समीप तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोपेड सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी,हादसे में बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई।पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू की । मांडल थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बदरू बेग पिता नूर बेग उम्र 60 वर्ष निवासी धुलखेड़ा मंगलवार सुबह पुर में अपने रिश्तेदार से मिलकर वापस मोपेड पर अपने घर जा रहे थे इसी दौरान धुलखेड़ा ओवरब्रिज के समीप उनकी मोपेड को पीछे से आए एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी और ट्रक चालक ट्रक लेके मौके से फरार हो गया।हादसे में घायल मोपेड सवार बुजुर्ग को इलाज के लिए तुरंत जिला अस्पताल लाया गया,जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों कि मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।पुलिस ने मृतक के परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर उक्त ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कल्याणपुरा रोड पर बन रही 2 लाख लीटर क्षमता की जल टंकी, अप्रैल तक मिलेगी पानी की किल्लत से राहत

स्मार्ट हलचल | मंगरोप

कस्बे के कल्याणपुरा रोड पर चम्बल विभाग द्वारा पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से करीब 2 लाख लीटर पानी की क्षमता वाली ऊंची जल टंकी का निर्माण कार्य किया जा रहा है।यह टंकी लगभग 22 मीटर ऊंची बनाई जा रही है,जिससे आसपास के क्षेत्र में पर्याप्त दबाव के साथ पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।जल टंकी का निर्माण कार्य 8 नवम्बर से प्रारंभ किया गया था।विभाग द्वारा इसकी मजबूती और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है,ताकि यह टंकी लंबे समय तक सुरक्षित एवं टिकाऊ बनी रहे।निर्माण स्थल पर वर्तमान में 2 कुशल कारीगरों सहित कुल 7 मजदूर कार्यरत हैं,जो निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य को अंजाम दे रहे हैं।चम्बल विभाग के अनुसार,यह जल टंकी आगामी अप्रैल माह तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगी।इसके पूर्ण होने के बाद मंगरोप कस्बे एवं आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही पानी की किल्लत से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।स्थानीय लोगों ने भी इस योजना को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा बताया है।

एसडीएम कॉलेज महिला आश्रम भीलवाड़ा में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विशेष शिविर आयोजित

अच्छा स्वास्थ्य असली समृद्धि है जो जीवन का आनंद लेने के लिए आवश्यक: रश्मि पारीक

डायरेक्टर विभा माथुर ने वितरित किए स्वयं सेविकाओं को प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र गए

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्रीमती सुशीला देवी माथुर कन्या महाविद्यालय महिला आश्रम भीलवाड़ा में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन संपन्न करवाया गया। आयोजन के अध्यक्षता प्राचार्य डॉ रजनीश शर्मा के सानिध्य में कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अंजना वैष्णव व सह अधिकारी सुश्री ज्योति शर्मा व सुश्री खुशी नाथावत के द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर विशिष्ट अतिथि डॉक्टर कश्मीर भट्ट के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन करवा कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया। सात दिवसीय विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य सेवा से सशक्त द्वारा स्वयं सेविकाओं को सेवा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। भट्ट के व्याख्यान का मुख्य विषय राष्ट्र निर्माण में युवा का योगदान व राष्ट्रीय एकता व नागरिक शिष्टाचार से युवाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण को बढ़ावा दिया और स्वयंसेविकाओं द्वारा पौधारोपण व स्वच्छता अभियान चलाया गया और श्रमदान करवाया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर कमलकांत शर्मा के व्याख्यान में स्वयं सेविकाओं को स्त्री स्वास्थ्य, जल्दी सोये जल्दी जागे के विचार द्वारा स्वयंसेविकाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और स्वस्थ जीवन से खुशहाल जीवन की ओर प्रेरित किया गया आयुर्वेदिक विज्ञान की महत्व और आरोग्य का सूत्र देते हुए महोदयजी ने अपने विचार व्यक्त किए है। मुख्य वक्ता से सुश्री रश्मि पारीक द्वारा स्वयं सेविकाओं को स्वास्थ्य और समृद्धि स्वास्थ्य और समृद्धि का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहने का आर्थिक सुरक्षा व जीवन को संतुष्टि का एक संयुक्त रूप का उद्देश्य दिया। स्वास्थ्य ही धन है अच्छा स्वास्थ्य असली समृद्धि है जो जीवन का आनंद लेने के लिए आवश्यक है। वक्ता श्रीमती वसुंधरा सक्सेना द्वारा आहार में पोषण को संतुलित कर स्वयं सेविकाओं को सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। वक्ता श्रीमती श्वेता सोडाणी द्वारा मुख्य बजट सत्र 2025-26 सभी स्वयंसेविकाओं को बजट में विद्यार्थी उपयोगी वार्ता द्वारा आर्थिक समृद्धि और व्यवसायिक प्रबंधन द्वारा मार्गदर्शन किया। इसी प्रकार सात दिवस तक राष्ट्रीय सेवा योजना गीत, वंदे मातरम, गांव भ्रमण, स्त्री स्वास्थ्य, नशा मुक्ति अभियान, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता पर पोस्टर,स्लोगन व रैली व नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति, विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करवा कर विशेष शिविर को संपन्न करवाया गया। महिला आश्रम संस्था की सचिव श्रीमती वंदना माथुर ने स्वयं सेविकाओं की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं प्रदान की। साथ ही डायरेक्टर श्रीमती विभा माथुर द्वारा स्वयं सेविकाओं को कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र वितरित किए गए और और उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मनाया शक्ति दिवस, बच्चों को पिलाई आयरन सिरप

'गर्भ की पाठशाला'-चैनल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को पढ़ाया जा रहा स्वस्थ मां व गर्भस्थ शिशु की सुरक्षा का पाठ

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। गर्भवती महिलाओं, शिशुओं और आमजन को स्वस्थ मातृत्व व सुरक्षित शिशु जन्म के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग द्वारा मंगलवार को जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को आयरन सिरप पिलाई गई तथा गर्भवती महिलाओं को एलईडी स्क्रीन टीवी के माध्यम से 'गर्भ की पाठशाला' यूट्यूब चैनल के जरिए स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त मिशन निदेशक (एनएचएम) एवं निदेशक आईईसी डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन में इस यूट्यूब चैनल की शुरुआत की गई है। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से चैनल का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे अधिकाधिक गर्भवती महिलाएं जागरूक होकर समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। सीएमएचओ डॉ. शर्मा ने बताया कि इस पहल के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की निरामय राजस्थान की संकल्पना को साकार करने में मदद मिल रही है। चैनल पर पूरक आहार, एनीमिया के लक्षण एवं रोकथाम, गर्भावस्था के दौरान सावधानियां, स्तनपान की उपयोगिता तथा पौष्टिक आहार जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा दी जा रही हैं। मंगलवार को आंगनबाड़ी केन्द्र सुवाणा द्वितीय का जिला स्तर से डीपीसी-आईईसी अशोक कुमार प्रजापत एवं डीपीसी-आशा बलबीर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई तथा बच्चों को आयरन सिरप पिलाई गई। इस दौरान डीपीसी आईईसी ने आशा बहनों व सहायिकाओं को गर्भ की पाठशाला चौनल के माध्यम से अधिकाधिक संख्या में गर्भवती महिलाओं तक स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी उपयोगी जानकारियों का प्रचार प्रसार करने को कहा।

इस दौरान बीएचएस रतन दाधीच, आंगनबाडी कार्यकर्ता चन्दा सेन, सहायिका सीमा कीर, आशा, नीतू टेलर सहित स्थानीय महिलाएं उपस्थित रही। डीपीसी (आईईसी) अशोक कुमार प्रजापत ने बताया कि राज्य सरकार की अभिनव पहल के तहत गर्भवती महिलाओं को मां व गर्भस्थ शिशु की सुरक्षा, देखभाल और पोषण से जुड़ी उपयोगी जानकारी सरल, सहज और रोचक भाषा में उपलब्ध कराने के लिए 'गर्भ की पाठशाला' यूट्यूब चौनल का संचालन किया जा रहा है। इसके माध्यम से गर्भवती महिलाओं को अब घर बैठे ही स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यक जानकारियां प्राप्त हो रही हैं। डीपीसी (आशा) बलबीर ने बताया कि 'गर्भ की पाठशाला' चैनल पर रोचक फिल्मों और डायग्राम के माध्यम से गर्भावस्था की पहचान, एनीमिया प्रबंधन, गर्भधारण पूर्व परामर्श, पोषण, सुरक्षित गर्भपात, सामान्य एवं सिजेरियन प्रसव सहित गर्भावस्था जैसी जानकारियां सरल भाषा में दी जा रही हैं। चैनल के माध्यम से नवजात शिशु की देखभाल, कंगारू मदर केयर, पूरक आहार, स्तनपान, बच्चों में अंतर रखने के उपाय तथा आईयूसीडी से संबंधित जानकारी भी दी जा रही है। चिकित्सा विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे 'गर्भ की पाठशाला' यूट्यूब चैनल से जुड़कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां प्राप्त करें और स्वयं व अपने परिवार के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाएं।

कपासन की केमिकल फैक्ट्री में भीषण धमाका, 5 किमी तक गूंजी आवाज

रीको इंडस्ट्रियल एरिया में आग से मची अफरा-तफरी, कोई जनहानि नहीं

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

जिले के कपासन कस्बे स्थित रीको इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार देर रात एक बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया। मरून इंडस्ट्रीज नामक केमिकल फैक्ट्री में रात करीब 11:15 बजे जोरदार धमाका हुआ, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज करीब पांच किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। लोग इसे भूकंप समझकर घरों से बाहर निकल आए।

धमाके के तुरंत बाद फैक्ट्री परिसर में भीषण आग लग गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें दूर से साफ नजर आ रही थीं। आसपास के गांवों और कॉलोनियों में अफरा-तफरी मच गई। कई परिवार अपने बच्चों को लेकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागते दिखाई दिए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाका अचानक हुआ और कुछ ही सेकंड में फैक्ट्री से धुआं व आग की लपटें उठने लगीं। आग इतनी विकराल थी कि पास स्थित एक स्क्रैप फैक्ट्री भी इसकी चपेट में आ गई। धमाके के असर से स्क्रैप यूनिट की टीन की चद्दरें उड़ गईं और दीवारों को नुकसान पहुंचा। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फैक्ट्री से उछलकर एक भारी लोहे की दीवार करीब 500 मीटर दूर एक मकान पर जा गिरी, जिससे छत की पट्टी टूट गई। हालांकि, घर में मौजूद लोग सुरक्षित रहे। यदि यह हादसा दिन में होता, तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

सूचना मिलते ही कपासन सहित आसपास के क्षेत्रों से दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग पर काबू पाने के लिए

दमकलकर्मियों ने करीब दो घंटे तक लगातार पानी की बौछारें कीं। जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाकर आग को फैलने से रोका गया। कड़ी मशक्कत के बाद देर रात आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में बॉयलर फटने से धमाका होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फैक्ट्री में मौजूद केमिकल पदार्थों के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया, जिससे दमकलकर्मियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ी।

हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर आलोक रंजन, पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी और कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। प्रशासन ने क्षेत्र को घेराबंदी में लेकर अनावश्यक आवाजाही रोक दी है। आसपास की फैक्ट्रियों और मकानों में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने बताया कि मरून केमिकल फैक्ट्री में रंग (कलर) बनाने का कार्य होता है। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस को अवगत कराया गया। दमकल और प्रशासन की तत्परता से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने बताया कि फैक्ट्री में इंटरमीडिएट केमिकल का उत्पादन किया जाता है। फैक्ट्री मालिक से बातचीत कर प्राथमिक जानकारी ली गई है। प्रारंभिक रिपोर्ट में किसी भी तरह की जनहानि सामने नहीं आई है, जो राहत की बात है। नुकसान का आकलन किया जा रहा है और घटना के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी।

पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना देने की अपील की है।

इस घटना ने एक बार फिर औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और केमिकल फैक्ट्रियों में सतर्कता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे उद्योगों में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन होना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

सौंदर्यकरण के नाम पर लाखों खर्च, फिर भी बदहाल कॉलेज भवन

छत का प्लास्टर गिरा, बड़ा हादसा टला, स्टाफ में दहशत

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ शहर के महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय, चित्तौड़गढ़ में सौंदर्यकरण के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद भवनों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। भूगोल विभाग में हाल ही में छत का प्लास्टर अचानक गिर गया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घटना के बाद कॉलेज स्टाफ में भय का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, बीते छह महीनों से महाविद्यालय विकास समिति के माध्यम से कराए जा रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्य बिना किसी ठोस योजना और तकनीकी निरीक्षण के कराए जा रहे हैं। इसके चलते विकास समिति के फंड का समुचित और पारदर्शी उपयोग नहीं हो पा रहा है।

कॉलेज परिसर में पहले रंगाई-पुताई करवाई गई, उसके बाद उल्टी छत का प्लास्टर कराया गया। इसके बावजूद एक बार फिर रंगाई-पुताई पर अतिरिक्त राशि खर्च की गई। इतना ही नहीं, छत पर चाइना मोजैक भी लगवाई गई। इस दौरान पुरानी टाइल्स हटाने से उल्टी छत का प्लास्टर गिरने लगा। बीच में बरसात होने से छत से पानी टपकने लगा, जिससे भवन की संरचना और

अधिक कमजोर हो गई।

छत से लगातार प्लास्टर गिरने की घटनाओं के कारण कॉलेज में कभी भी गंभीर दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। स्टाफ और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि सौंदर्यकरण के नाम पर अनावश्यक और बार-बार किए जा रहे कार्यों में सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है, जबकि मूलभूत संरचनात्मक मरम्मत की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

इस पूरे मामले ने विकास कार्यों की गुणवत्ता, योजना और जवाबदेही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत है कि उच्च स्तर पर जांच करवाई जानी चाहिए, ताकि जनधन के दुरुपयोग पर रोक लगे और कॉलेज परिसर को सुरक्षित बनाया जा सके।

एबीवीपी ने कॉलेज में किया प्रदर्शन, प्राचार्य के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय, भीलवाड़ा में विश्वविद्यालय की कथित अनियमितताओं को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान परिषद कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य के नाम ज्ञापन सौंपकर विद्यार्थियों के हित में कार्रवाई की मांग की। एबीवीपी की प्रांत कार्य समिति सदस्य दीपा जाट ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जारी एकेडमिक कैलेंडर में प्रवेश परीक्षा व परिणाम को लेकर लगातार अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले एक वर्ष से विद्यार्थियों को एक ही विषय में लगातार 00 अंक दिए जा रहे हैं, जबकि वही विद्यार्थी अन्य विषयों में अच्छे अंक प्राप्त कर रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में मानसिक तनाव बढ़ रहा है और उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। दीपा जाट ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन कथित रूप से फीस के माध्यम से शिक्षा का व्यापारीकरण कर रहा है। उन्होंने मांग की कि यदि किसी विद्यार्थी को उसके औसत अंक से कम अंक मिलते हैं तो उसे री-वैल्यूएशन का अधिकार दिया जाए। वहीं 1300 बैक परीक्षा फॉर्म शुल्क के नियम को समाप्त किया जाए, क्योंकि अधिक फीस के कारण कई विद्यार्थियों की पढ़ाई छूटने की स्थिति बन रही है। एबीवीपी ने कॉपियों की जांच व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कॉपियों का मूल्यांकन प्रोफेसरों द्वारा नहीं कराया जा रहा, जिस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान चंद्रवीर सिंह, लविश जीनगर, पुष्पेंद्र आचार्य, विट्ठल, तनुश्री, कृष्ण आचार्य, तनीषा सहित अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आर.एन.टी. विधि महाविद्यालय के एल. एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर में छात्राओं ने बाजी मारी

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

गांधीनगर सेक्टर-5, स्थित आर.एन.टी. विधि महाविद्यालय चित्तौड़गढ़ ने एक बार फिर शैक्षणिक उपलब्धियों में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। डॉ भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा घोषित एल एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों में कॉलेज ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। इस परिणाम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर न केवल अपने परिवार व कॉलेज का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे चित्तौड़गढ़ में गर्व का विषय बन गए।कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. वसीम खान ने बताया कि इस बार का परीक्षा परिणाम अभूतपूर्व रहा है और इसमें विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि आर.एन.टी. विधि महाविद्यालय लगातार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है और यह परिणाम उसी का प्रमाण

है।कॉलेज समन्वयक गौरव त्यागी ने जानकारी दी कि आर.एन.टी. विधि महाविद्यालय संभाग का सबसे पुराना व प्रतिष्ठित संस्थान है। यहाँ विधि स्नातकोत्तर (एल एल एम.), विधि स्नातक त्रिवर्षीय (एल एल. बी.) तथा डी.एल.एल. जैसे अनेक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों के चलते विद्यार्थियों का कॉलेज पर विश्वास और गहरा हुआ है।

कॉलेज की उप-प्राचार्य डॉ. प्रभा भाटी ने कहा कि प्रथम स्थान खुशबू बांगड़ 68.66%, द्वितीय स्थान मुस्कान लोकवानी 68.50%, तृतीय स्थान प्रदीप सिंह बाघेला 67.66% चतुर्थ स्थान अभिषेक जीनगर 67%, पंचम स्थान रूही बानू 66.16% रही। इस परिणाम में महाविद्यालय के 19 विधि विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से पास हुए। इस परीक्षा परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया है कि विधि के क्षेत्र में विद्यार्थी लगातार अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। विधि व्याख्याता जफ्फर हुसैन वैलिम ने परिणाम की सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की अथक मेहनत और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, निरंतर अध्ययन और सही दिशा में किए गए प्रयास ही सफलता की कुंजी हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता बी.एल. पोखरना सहित सहायक आचार्य क्रमशः जमीर आलम, अमित कोहली, गजेंद्र जोशी, मेहा डाड, सोनिया राजोरा, सोनू मेघवंशी, डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ. अनिल

कुमार, दीपक शर्मा, ललित कुमार मीणा एवं अन्य संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं। सभी ने कहा कि आर.एन.टी.विधि महाविद्यालय का यह शानदार परिणाम पूरे क्षेत्र में विद्यार्थियों की प्रतिभा और मेहनत का गौरव बढ़ाता है।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दो दिवसीय सरस्वती माता प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

रात्रि जागरण एवं भजन संध्या व महाप्रसादी का आयोजन किया

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर जिले के भींडर पंचायत समिति क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाणुन्द परिसर में सरस्वती माता की मूर्ति की दो दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य यजमान धर्मेंद्र गोंदावत ने बताया कि विद्यालय परिसर में भामाशाह जमनालाल गोंदावत पिता कालुलाल गोंदावत की ओर से मंदिर का निर्माण करवा कर सरस्वती माता की मूर्ति की स्थापना की गई। महोत्सव के प्रथम दिन रात्रि में पंडित नरोत्तम आमेटा एवं पंडित जगदीश द्वारा जागरण एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। दूसरे दिन प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ-नारायण में आहुतियां अर्पित की गई और विधि विधान से सरस्वती माता की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न करवाई गई। इसके पश्चात औदिच्य समाज के नोहरे में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वल्लभनगर विधानसभा की पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, भींडर के पूर्व प्रधान कुबेर सिंह चावड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधि के साथ औदिच्य समाज के समाजजन व ग्रामवासी उपस्थित रहे। यह जानकारी नरेश शर्मा ने दी।

'झीलों में पेट्रोल-डीजल चालित नावों को नहीं दिए जाएं लाइसेंस'

जिला स्तरीय झील विकास समिति की त्रैमासिक बैठक में जिला कलक्टर ने दिए निर्देश

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

जिला कलक्टर श्री नमित मेहता ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालय द्वारा झीलों में पेट्रोल-डीजल चालित नावों पर रोक को देखते हुए नए लाइसेंस जारी नहीं किए जाएं। वर्तमान में संचालित ऐसी नावों को क्रमबद्ध तरीके से सीजिंग की कार्रवाही की जाए। उन्होने मंगलवार को जिला स्तरीय झील विकास समिति की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए। बैठक में निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, यूडीए आयुक्त राहुल जैन, एडीएम सिटी जितेन्द्र ओझा, निगम अधिशाषी अभियंता लखन बैरवा, पर्यटन उप निदेशक शिखा सक्सेना, सिंचाई विभाग के एसई मनोज जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि उदयपुर झीलों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। परिवहन विभाग पेट्रोल-डीजल चालित नावों को नए लाइसेंस जारी न करें वहीं वर्तमान में संचालित नावों को बंद करवाया जाए। नगर निगम आयुक्त ने अवगत कराया कि बड़ी होटल्स को नोटिस जारी कर पेट्रोल-डीजल चालित नावें बंद करने को कहा गया है। इस पर जिला कलक्टर ने कहा कि जो भी नोटिस की पालना नहीं करें उनकी नावों को सीज़ करने की कार्रवाई की जाए। बैठक में नावों के वार्षिक शुल्क की दर का नवीनीकरण, रूट निर्धारण, सूर्यास्त पश्चात संचालन आदि बिंदुओं पर चर्चा करते हुए जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि नियमों के अनुसार ही सारी कार्यवाही की जाए। सोलर संचालित डबल डेकर क्रूज को ट्रायल हेतु नियमानुसार अनुमति प्रदान करने, होटलों में शादी-समारोहों में नावों के उपयोग पर शुल्क निर्धारण, झील किनारे पिंक टायलेट निर्माण पर भी चर्चा की गई। लेक पेट्रोलिंग की आवश्यकता को देखते हुए प्रशिक्षित होमगार्ड्स की नियुक्ति एवं उन्हे पेट्रोलिंग बोट सहित अन्य आवश्यक उपकरण प्रदान करने पर भी विचार विमर्श किया गया।

वीरपाल सिंह यादव बने समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव

अखिलेश यादव की स्वीकृति से प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने सौंपी जिम्मेदारी

स्मार्ट हलचल | इटावा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने इटावा जिले के ताखा के पूर्व ब्लॉक प्रमुख वीरपाल सिंह यादव को समाजवादी पार्टी का प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति से समाजवादी पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

वीरपाल सिंह यादव लंबे समय से समाजवादी पार्टी की राजनीति में सक्रिय हैं और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा व समर्पण किसी से छिपा नहीं है। जब समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहली बार कन्नौज लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, उस समय वीरपाल यादव ने उनके चुनाव

प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संगठन को मजबूत करने और जनसंपर्क के क्षेत्र में उनकी सक्रियता को पार्टी नेतृत्व हमेशा सराहता रहा है।

बीते लोकसभा चुनाव में भी वीरपाल सिंह यादव कन्नौज क्षेत्र में पूरी मजबूती के साथ सक्रिय रहे और अखिलेश यादव के पक्ष में प्रचार-प्रसार किया। एक जमीनी नेता के रूप में उनकी अलग पहचान है और वे हमेशा संगठन व कार्यकर्ताओं के बीच से निकलकर राजनीति करने वाले नेता माने जाते हैं।

वीरपाल यादव को समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं संरक्षक नेताजी मुलायम सिंह यादव का भी करीबी माना जाता रहा है। संगठन के प्रति उनकी वर्षों की निष्ठा और संघर्षशील भूमिका को देखते हुए यह नियुक्ति यह साफ संकेत देती है कि समाजवादी पार्टी अब अपने पुराने, समर्पित और जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे लाकर बड़ी जिम्मेदारियां सौंप रही है। इस नियुक्ति के माध्यम से सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने यह भी साबित कर दिया है कि पार्टी में मेहनती कार्यकर्ताओं की अनदेखी नहीं की जाएगी और संगठन को मजबूत करने के लिए अनुभवी नेताओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रदेश सचिव बनाए जाने पर वीरपाल सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। वीरपाल यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को प्रचंड बहुमत से जिताकर अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाना ही उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं, समर्थकों और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उम्मीद जताई कि उनके अनुभव से संगठन को और मजबूती मिलेगी।

सड़क निर्माण में बाल श्रमिकों से कराया जा रहा कार्य

शासन की गाइडलाइंस की खुलेआम उड़ रहीं धज्जियाँ

स्मार्ट हलचल | खखरेरू

फतेहपुर ग्राम सभा बसवा से कालूपुर संपर्क मार्ग पर लगभग ढाई किलोमीटर लंबाई में चल रहे डामरीकरण कार्य में गंभीर अनियमिताएँ सामने आ रही हैं। निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा खुलेआम बाल श्रमिकों से मजदूरी कराई जा रही है, जो शासन-प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और बाल श्रम निषेध कानूनों का सीधा उल्लंघन है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क निर्माण स्थल पर रेड़ी के माध्यम से गिट्टी ढोने का कार्य नाबालिग बच्चों से कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्य में करीब आधा दर्जन बाल श्रमिक लगाए गए हैं। जिन हाथों में किताबें और कलम होनी चाहिए, उन्हीं हाथों में ठेकेदार ने मजदूरी थमा दी है।

सरकार द्वारा बाल श्रम रोकने के लिए बाल श्रमिक आयोग का गठन किया गया है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह व्यवस्था केवल कागजों तक ही सीमित दिखाई दे रही है। सरकारी निर्माण कार्यों में ही बाल मजदूरी का खुलेआम होना प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

गरीबी और थोड़े से पैसों के लालच में बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है, और न तो कोई रोकने वाला है, न टोकने वाला। यह स्थिति केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध भी है।

अब सवाल यह है कि –क्या जिम्मेदार विभागीय अधिकारी इस पर संज्ञान लेंगे? क्या ठेकेदार पर कार्रवाई होगी? या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा? यह सिर्फ एक सड़क निर्माण की कहानी नहीं, बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता और सिस्टम की विफलता का आईना है।

सहित गैर-गौजातीय पशुओं के दूध पर एनडीडीबी आनंद में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

स्मार्ट हलचल | आनंद

दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय डेयरी फेडरेशन की भारतीय राष्ट्रीय समिति (ढ्ढह्लष्ट-ढ्ढष्ठस्र) द्वारा आयोजित भेड़, बकरी, ऊंट एवं अन्य गैर-गौजातीय पशुओं (नॉन-बोवाइन) के दूध पर 9वें आईडीएफ सम्मेलन का शुभारंभ 9 फरवरी, 2026 को एनडीडीबी, आनंद में हुआ। यह सम्मेलन 11 फरवरी, 2026 तक चलेगा। उद्घाटन सत्र में आईडीएफ के अध्यक्ष श्री गिल्स फ्रोमेंट, एनडीडीबी के अध्यक्ष और आईडीएफ बोर्ड सदस्य एवं ढ्ढह्लष्ट-ढ्ढष्ठस्र के सचिव डॉ. मीनेश शाह, भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग की पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीना बी. महेश्वरप्पा, भारत में एफएओ प्रतिनिधि श्री ताकायुकी हागिवारा, आईडीएफ की महानिदेशक सुश्री लॉरिंस राइकेन सहित आईडीएफ बोर्ड सदस्य, शिक्षाविद, उद्योग जगत के नेता, दुग्ध उत्पादक, प्रसंस्कर्ता, नीति-निर्माता और डेयरी क्षेत्र के व्यवसायी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में 90 से अधिक

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित हुए। सम्मेलन के 7 तकनीकी सत्रों में उभरते बाजार एवं उपभोक्ता रुझान, आजीविका एवं लघु-किसान सशक्तिकरण–गैर-गौजातीय दूध का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव, फार्म प्रबंधन रणनीतियाँ–संसाधन अनुकूलन एवं स्थिरता, गैर-गौजातीय दूध में प्रसंस्करण, गुणवत्ता एवं नवाचार, गैर-गौजातीय डेयरी उत्पाद विकास–पोषण संबंधी विशेषताएं एवं जैव-कार्यात्मकताएं, जैव-सुरक्षा एवं रोग प्रबंधन, तथा गैर-गौजातीय दूध के लिए वैश्विक मानक एवं नीतियां विषयों पर विचार-विमर्श के साथ गैर-गौजातीय दूध से संबंधित पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया और प्रदर्शकों ने अपनी तकनीक एवं सेवाएं प्रस्तुत कीं।

श्री गिल्स फ्रोमेंट ने कठोर जलवायु वाले क्षेत्रों में बकरी, भेड़ और ऊंट के दूध को संधारणीय (सस्टेनेबल) विकल्प बताते हुए उनकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने पर्यावरण, पशु कल्याण, पोषण, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और समावेशन की छह प्राथमिकताओं का उल्लेख

किया और भारत की वैश्विक दुग्ध उत्पादन में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा, नवाचार और ठोस पोषण आंकड़ों के माध्यम से गैर-गौ डेयरी के विस्तार का आह्वान किया तथा वैश्विक मानकों के विकास में सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. मीनैश शाह ने गैर-गौजातीय दूध के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे जलवायु-अनुकूल और पोषण समर्थक बताया और अक्सर महिलाओं द्वारा प्रबंधित किया जाता है। उन्होंने ऑपरेशन फ्लड के माध्यम से भारत की डेयरी यात्रा को याद करते हुए सहकारी ढांचे और वैज्ञानिक कार्यक्रमों के जरिए निरंतर विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने पशु रोग नियंत्रण, उन्नत प्रजनन तकनीकों और बकरी एवं ऊंट के दूध से जुड़े सफल मॉडलों के विस्तार की आवश्यकता बताई, ताकि किसानों को अधिक लाभ मिल सके।

डॉ. नवीना बी. महेश्वरप्पा ने 2026 के अंतरराष्ट्रीय चरागाह एवं पशुपालक वर्ष के संदर्भ में इस सम्मेलन की प्रासंगिकता को रेखांकित किया। उन्होंने गैर गौजातीय दूध को पोषक, जलवायु-अनुकूल और कम-कार्बन उत्पादन प्रणाली का उदाहरण बताते हुए उन्नत प्रसंस्करण, प्रमाणीकरण और विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

श्री ताकायुकी हागिवारा ने भारत के डेयरी भविष्य में ऊंट, बकरी और भेड़ के दूध की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने मूल्य-श्रंखला को मजबूत करने, उत्पादों के विपणन और वैज्ञानिक अनुसंधान बढ़ाने की आवश्यकता बताई तथा पशुपालकों की आजीविका सुधारने के लिए सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई। सुश्री लॉरिंस राइकेन ने भारत के विज्ञान-आधारित और समावेशी डेयरी विकास में नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं और जलवायु चुनौतियों के बीच गैर-गोजातीय दूध को महत्वपूर्ण बताते हुए डेटा-आधारित और व्यावहारिक रणनीतियों के माध्यम से टिकाऊ मूल्य-श्रंखला विकसित करने पर बल दिया।

झूठी शिकायतों से नमकीन कारोबारियों को बदनाम करने की साजिश

कोटा नमकीन व्यापार समिति ने सीएमएचओ व आईजी से निष्पक्ष जांच की मांग की

झूठी शिकायतों के जरिए ईमानदार नमकीन कारोबारियों को बदनाम करने की साजिश, सीएमएचओ व आईजी से हस्तक्षेप की मांग

स्मार्ट हलचल | कोटा

कोटा शहर में वर्षों से स्थापित एवं गुणवत्ता के लिए पहचान बना चुके नमकीन उद्योग को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश सामने आई है। असामाजिक तत्वों एवं तथाकथित पेशेवर शिकायतकर्ताओं द्वारा झूठी शिकायतें, फर्जी फोटो-वीडियो तथा सोशल मीडिया के दुरुपयोग के माध्यम से ईमानदार नमकीन कारोबारियों को मानसिक व आर्थिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया गया है।

इस गंभीर मामले को लेकर कोटा नमकीन व्यापार समिति एवं प्रभावित व्यापारियों ने पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कोटा रेंज के नाम ज्ञापन अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक बेनी प्रसाद मीणा तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) सीएमएचओ डॉ नरेन्द्र नागर को संयुक्त ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। समिति के अध्यक्ष जगदीश गांधी एवं महामंत्री प्रमोद पुरस्वामी ने बताया कि झूठी शिकायतों के संबंध में जिला कलक्टर को भी अवगत कराया गया है तथा पुलिस थाना किशोरपुरा में विधिवत शिकायत दर्ज करवाई गई है।

व्यापारियों ने बताया कि कोटा का नमकीन उद्योग वर्षों से स्वच्छता, गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य कर रहा है। आधुनिक एवं स्वचालित मशीनों से निर्मित ये उत्पाद न केवल स्थानीय बाजार बल्कि प्रदेशभर में अपनी विश्वसनीय पहचान रखते हैं। इसके बावजूद हाल के दिनों में कुछ तत्वों द्वारा पैकिंग सामग्री से छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक वस्तुएं मिलाने, उनके फोटो-वीडियो बनाकर प्रसारित करने तथा झूठी शिकायतें दर्ज कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे व्यापारियों की साख को गंभीर क्षति पहुंच रही है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि प्रभावित व्यापारियों को अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल व संदेश भेजकर भयभीत किया जा रहा है तथा जानबूझकर मानसिक दबाव बनाया जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां न केवल व्यक्तिगत प्रतिष्ठा पर आघात हैं, बल्कि शहर के पारंपरिक उद्योग एवं रोजगार व्यवस्था के लिए भी घातक सिद्ध हो सकती हैं।

कोटा नमकीन व्यापार समिति ने प्रशासन से मांग की है कि किसी भी शिकायत पर कार्रवाई से पूर्व शिकायतकर्ता की पृष्ठभूमि एवं तथ्यों की प्राथमिक जांच की जाए, झूठी एवं दुर्भावनापूर्ण शिकायतें पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा ईमानदार कारोबारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से संरक्षण प्रदान किया जाए। समिति का कहना है कि समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाने से न केवल व्यापारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि कोटा के उद्योग की प्रतिष्ठा भी सुरक्षित रहेगी।

इस अवसर पर संस्थापक रामनाथ अग्रवाल, संरक्षक राजेन्द्र राजानी, कोषाध्यक्ष सुनील मित्तल, शरद गुप्ता, महेश अरोड़ा, जगदीश नागर, जयेश थदानी, महेंद्र गोयल, महेश सुखेजा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

व्यापार संघ का कड़ा रुख

व्यापार संघ के अध्यक्ष क्रांति जैन एवं महासचिव अशोक माहेश्वरी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ईमानदार कारोबारियों को बदनाम करने और झूठी शिकायतों के जरिए दबाव बनाने की किसी भी कोशिश को सहन नहीं किया जाएगा। यदि इस प्रकार की गतिविधियां जारी रहीं, तो व्यापार संघ प्रशासनिक स्तर के साथ-साथ कानूनी एवं जनआंदोलनात्मक कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेगा।

राजेश पायलट की 81 वीं जयंती मनाई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

सेवा कार्य के जरिए किया याद

स्मार्ट हलचल

करौली(लोकप्रिय किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व राजेश पायलट की 81वी जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने तस्वीर पर पुष्प व माला अर्पित कर उन्हें नमन किया । यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष दिनेश गुर्जर ने बताया कि सपोटरा विधानसभा के गांव रत्तीपुरा में राजेश पायलट की जयंती मनाई गई जिसमें कांग्रेस डाटा एनालिसिस के राष्ट्रीय संयोजक विशाल मीणा खूबपुरा मुख्य अतिथि रहे । मुख्य अतिथि ने कहा कि पायलट किसानों के मसीहा थे। युवाओं को रोजगार, महिला उत्थान व किसानों की उन्नति के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये जिसे हमें भूला नहीं सकते है। आज हम उनकी जयंती के अवसर पर उनके देश के विकास में दिए गए योगदान को स्मरण करते हैउन्होंने कहा कि पायलट के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पायलट ने हमेशा देश और समाज की सेवा को प्राथमिकता दी और युवाओं को राजनीति में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और पायलट के आदर्शों पर चलने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान दिनेश गुर्जर खाडेपुरा, रामहरि गुर्जर, दिलीप ,सुरेश बैरवा,मलखान राजेंद्र बैरवा, हरि सिंह गुर्जर, सुरेंद्र खूबपुरा,नरेश गुर्जर, विमल गुर्जर खाडेपुरा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पायलट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

राउमावि चछलाव में छात्रों को निशुल्क साइकिलें वितरित

स्मार्ट हलचल | सुनेल

क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चछलाव में मंगलवार को छात्राओं को निशुल्क साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश पाटीदार व सरपंच गिजेश बाई भील , अध्यक्षता प्रधानाचार्य गजेंद्र कुमार गोस्वामी ने की एवं विशिष्ट अतिथि सहायक सचिव पर्वत लाल भील रहे। साइकिल वितरण प्रभारी राकेश कुमार मेघवाल ने बताया कि कक्षा 9 में अध्ययनरत 19 बालिकाओं को निशुल्क साइकिल वितरण किया गया। साइकिलें पाकर बालिकाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान समस्त शाला स्टाफ उपस्थित रहा।

राउंड टेबल इंडिया ने 'फ्रीडम थ्रू एजुकेशन' के तहत कोटा में चार कक्षाओं के नए भवन का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल | कोटा

शिक्षा को सामाजिक बदलाव का मजबूत आधार मानते हुए राउंड टेबल इंडिया ने अपने राष्ट्रीय अभियान 'फ्रीडम थ्रु एजुकेशन' के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बृजराजपुरा-द्वितीय, डाइट परिसर में चार कक्षाओं के नए भवन का लोकार्पण किया।

कोटा राउंड टेबल-281 के चेयरमेन सिद्धार्थ पोद्दार ने बताया कि बृजराजपुरा में निर्मित चार कक्षाओं की कुल लागत लगभग 25 लाख रुपये रही। उन्होंने बताया कि बीते 10 वर्षों में कोटा नगर निगम क्षेत्र में संस्था द्वारा 50 से अधिक कक्षाओं का निर्माण कराया जा चुका है।

एरिया चेयरमैन धर्मवीर पांड्या ने कहा कि 'फ्रीडम थ्रू एजुकेशन' अभियान का उद्देश्य वंचित और कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए विद्यालयों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराकर शिक्षा को आसान, सुरक्षित और बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि राउंड टेबल इंडिया देशभर के सरकारी विद्यालयों में कक्षाओं के निर्माण के साथ-साथ शौचालय, पेयजल व्यवस्था, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल मैदान और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित कर रहा है।

बृजराजपुरा स्थित नए विद्यालय भवन में चार आधुनिक कक्षाओं के साथ बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए खेल एवं मनोरंजन की सुविधाएं भी विकसित की गई हैं, जिनमें स्लाइड, झूले, सी-सॉ और मेरी-गो-राउंड शामिल हैं। इस परियोजना से हर वर्ष आसपास के क्षेत्रों के 262 वंचित बच्चों को सीधा लाभ मिलेगा।

भवन के लोकार्पण अवसर पर एरिया चेयरमैन धर्मवीर पांड्या, एरिया सेक्रेटरी किंशुक जैन एवं एरिया प्रोजेक्ट कन्वीनर वरुण मालू उपस्थित रहे। यह निर्माण कार्य कोटा राउंड टेबल-281 द्वारा ओरिलाइट एवं रियल टेम्पल्स ऑफ इंडिया के सहयोग से पूरा किया गया।

इस अवसर पर शंकी बंसल, मुदित गोयल, निखिल जैन, तरुण जैन, अपूर्व अग्रवाल, क्रिना जैन, गौरव गोयल, ध्रुव गुप्ता, प्रशांत जैन, ऋषि जैन, दुष्यंत बापना, अरुण मेहता, दर्पण गर्ग, स्वप्निल मदान, मेहक मेहता, करण पांड्या, उदिता पांड्या, सिद्धार्थ मुनोत, लव अग्रवाल, उत्सव बाबेल एवं अर्चिता पोद्दार सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कृष्ण भगवान का जन्म उत्सव बड़े हर्ष उल्लास से मनाया

स्मार्ट हलचल

वैर। श्री दामोदर जी महाराज के मंदिर पर श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का आज चतुर्थ दिन कथावाचक पंडित हरि शंकर शुक्ला द्वारा वाचन किया गया। जिसमें श्री रामचरित मानस रामायण के अनुसार, सीता जी का जन्म राजा जनक की पुत्री के रूप में हुआ था। एक बार जब राजा जनक हल चला रहे थे, तब उन्हें वे धरती से मिली थीं, आचार्य द्वारा भागवत में कहा गया।इसी कारण उनका नाम 'सीता' पड़ा, जिसका अर्थ 'हल की रेखा' होता है। एवं कृष्ण जन्म उत्सव बड़े हर्ष उल्लास से धूमधाम के साथ मनाया महिलाओं ने भजन कीर्तन गाते हुए कृष्ण भगवान के दर्शन किए जिसमें इंद्रमोहन शर्मा श्रोतिय द्वारा स्वागत किया गया साथ में ब्राह्मण समाज के कार्य शील श्रेष्ठ अध्यक्ष इंद्रमोहन शर्मा जी, दिलीप शर्मा लखनपुर वाले का हरीश भारद्वाज द्वारा माला एवं साफा पहनाकर के हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। साथ में पंडित जगदीश प्रसाद शर्मा एवं शशिकांत शर्मा मिडिया प्रभारी एवं राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत हुआ।

चाकू से हमला कर सराफा कारोबारी का मर्डर

आधी रात 2 कारीगरों के साथ अपनी दुकान में बैठे थे, हत्या के विरोध में बाजार बंद

स्मार्ट हलचल | मेड़ता (नागौर)

अपने दो कारीगरों के साथ दुकान में बैठे सराफा कारोबारी पर अचानक बदमाशों ने हमला बोल दिया था। आधी रात में दो बदमाशों ने सराफा कारोबारी पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर हत्या कर दी। उन्हें बचाने आए उनके 2 करीगरों को भी बदमाशों ने नहीं बख्शा। दोनों करीगर भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना नागौर के मेड़ता शहर की है। उधर, सराफा कारोबारियों ने हत्या के विरोध में आज दुकान बंद रखने का ऐलान किया है।

रात साढ़े बारह बजे की घटना

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह पूरी वारदात सोमवार रात 12:30 बजे करीब की है। मेड़ता शहर की जैतारण चौकी के रहने वाले पंकज सोनी (40) की मेड़ता शहर की ब्रह्मपुरी में दुकान है। पकंज और पश्चिम बंगाल के रहने वाले उनके 2 कारीगर संदीप और संजय दुकान में बैठे थे। इस दौरान चाकू लेकर दो बदमाश आए और हमला कर दिया। पंकज सोनी की मौत हो गई, जबकि संदीप और संजय घायल हो गए। घायलों को अजमेर रेफर किया गया है।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

स्वर्णकार समाज व्यापार संघ अध्यक्ष धर्मीचंद सोनी ने बताया कि घटना के विरोध में (मंगलवार) को सभी स्वर्णकार सराफा की दुकानें बंद रखी । संघ की ओर से जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की जा रही है।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

मेड़ता डीएसपी रामकरण सिंह मलिंडा ने बताया- हमले की वजह का पता लगाया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो मुजरिम चिह्नत किए गए हैं। दोनों पश्चिम बंगाल के हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

ब्यावर में राजेश पायलट की 81 वीं जयंती मनाईः कांग्रेस सेवादल ने दी श्रद्धांजलि, संगोष्ठी और सेवा कार्य के जरिए किया याद

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 81वीं जयंती पर ब्यावर जिला कांग्रेस सेवादल ने श्रद्धांजलि संगोष्ठी का आयोजन किया। यह कार्यक्रम उदयपुर रोड ब्रह्मधाम में हुआ, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पायलट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सेवादल जिलाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सोनी ने बताया कि विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच जैन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर ब्रह्मधाम में वृद्धजनों को भोजन कराकर सेवा कार्य भी किया गया।

पारस पंच जैन ने सभा को संबोधित करते हुए राजेश पायलट के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पायलट ने हमेशा देश और समाज की सेवा को प्राथमिकता दी और युवाओं को राजनीति में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष अशोक रांका, सेवादल गंगा रावत, सेवादल प्रदेश महासचिव सोहन मेवाड़ा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और पायलट के आदर्शों पर चलने तथा जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में निकाय प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष पप्पू काठात, ब्यावर ब्लॉक सेवादल अध्यक्ष डॉ. अरविंद माथुर, पूर्व जिला अध्यक्ष रामनिवास सेन, जिला प्रवक्ता ऋषि लाम्बा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सेवादल जिलाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सोनी ने किया।

कलक्टर मेहता को जयपुर में बुधवार को राज्यपाल करेंगे सम्मानित

भारत स्काउट व गाइड के सिल्वर ऐलिफेंट सर्वोच्च अवार्ड से नवाजे जाएंगे मेहता

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान मेंराज्य स्तरीय राज्य पुरस्कार समारोह 9 से 12 फरवरी तक राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े के मुख्य आतिथ्य एवं राज्य वित आयोग अध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है।

सी.ओ स्काउट सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने बताया कि इस राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में 11 फरवरी को उदयपुर जिले के युवा, कर्तव्यनिष्ठ जिला कलक्टर नमित मेहता को माननीय राज्यपाल श्री बागडे के कमकमलों से भारत स्काउट व गाइड आंदोलन का सिल्वर ऐलिफेंट सर्वोच्च अवार्ड से नवाजा जाएगा तथा भारत स्काउट व गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा प्रदत प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। ज्ञातव्य रहे कि श्री मेहता को यह अवार्ड वर्ष 2022-23 में पाली जिले के कलक्टर रहते हुए 18 वी राष्ट्रीय स्तरीय स्काउट गाइड जंबूरी का ऐतिहासिक भव्य आयोजन कराने के लिए प्रदान किया जा रहा है। पाण्डे ने बताया कि सिल्वर ऐलिफेंट अवार्ड भारत स्काउट व गाइड का सर्वोच्च राष्ट्रीय स्तर का सम्मान है। यह सर्वोच्च अवार्ड मुख्य रूप से उन विशिश्ठजन को मिलता है जिन्होंने स्काउटिंग की प्रगति में निरंतर और अभूतपूर्व योगदान दिया हो।

साइबर ठगी पर ब्यावर पुलिस का बड़ा प्रहार, 17 लाख रुपए की राशि पीड़ितों को वापस लौटाई

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशन में साइबर पुलिस थाना ब्यावर की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न साइबर फ्रॉड के पीडितों को लगभग 17 लाख रुपये की राशि रिफण्ड करवाई है।

वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में साइबर टीम के द्वारा शिकायतों पर गहन तकनीकी विश्लेषण किया। पुलिस ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर संदिग्ध बैंक खातों और वॉलेट्स को समय रहते फ्रीज करवाया। आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह बड़ी राशि पीडितों के खातों में वापस लौटाई गई। पुलिस के द्वारा जारी सूची के अनुसार कई लाभार्थियों को उनकी डूबी हुई रकम वापस मिली है।

इस दौरान विनय जेथलिया के 9,69,719 रूपए, दुदाराम माली के 2,89,751 रूपए, सीताराम रावत के 1,09,182 रूपए, कमल शर्मा के 62,311 रूपए, सोनू कुमारी के 26,999 रूपए, चन्द्रप्रभा के 56,000 रूपए, इसन काठात के 32,000 हजार रूपए, रवि सिंह के 8,000 रुपए सहित अन्य लाभार्थियों को भी अलग-अलग राशियों का रिफण्ड अन्य लाभार्थियों को भी अलग-अलग राशियों का रिफण्ड पुलिस के द्वारा दिलाया गया है। इस कार्रवाई में वृत्ताधिकारी राजेश कसाणा, साइबर थाना निरीक्षक भवानी सिंह, सहायक उप-निरीक्षक नन्द किशोर सिंह, कांस्टेबल सुभाष, रामअवतार व रिछपाल की मुख्य भूमिका रही।

अनजान कॉल, मैसेज या फर्जी लोन एप से सावधान रहें साइबर पुलिस थाना ब्यावर ने आमजन के लिए जनहित में अपील जारी की है कि अनजान कॉल, मैसेज या फर्जी लोन एप से सावधान रहें। केवाईसी अपडेट या ओटीपी के नाम पर आने वाले संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना पासवर्ड, कार्ड डिटेल या बैंकिंग जानकारी साझा न करें।

पुष्कर में पायलट की जयन्ती मनाई

स्मार्ट हलचल

पुष्कर में पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की जयंती पर कांग्रेस ने श्रद्धांजलि सभा की आयोजित! की। एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन पाराशर ने बताया कि

भारतीय राजनीति में ईमानदारी, राष्ट्रसेवा और आमजन के प्रति समर्पण की जो मिसाल उन्होंने स्थापित की।वह आज भी हम युवाओ के लिए प्रेरणास्रोत है। आयोजन में पूर्व राज्यमंत्री श्रीमति नसीम अख्तर,मधुसूदन पाराशर, पूर्व पालिकाध्य् दामोदर शर्मा, विनोद पाराशर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दामोदर मुखीया, संजय जोशी, जगदीश कुर्डिया, बैजनाथ, प्रमोद पाराशर, सहित सभी कांग्रेस जन उपस्थित थे।

अजमेर के क्रिश्चियनगंज पुलिस स्टेशन और पुलिस चौकी का बदला नाम

स्मार्ट हलचल

अजमेर। अजमेर जिले में स्थित क्रिश्चियनगंज पुलिस स्टेशन और क्रिश्चियनगंज पुलिस चौकी का सोमवार को नाम बदल दिया गया। राज्य सरकार के गृह विभाग ने विभागीय प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए क्रिश्चियनगंज पुलिस थाना और पुलिस चौकी का नाम परिवर्तित करने की स्वीकृति जारी कर दी है।

अब इस नाम से जाना जाएगा थाना और चौकी

सरकारी आदेश के अनुसार अब यह क्षेत्र क्रिश्चियनगंज नहीं बल्कि कृष्णगंज के नाम से जाना जाएगा। इसके तहत पुलिस थाना क्रिश्चियनगंज को अब पुलिस थाना कृष्णगंज तथा पुलिस चौकी क्रिश्चियनगंज को पुलिस चौकी कृष्णगंज के रूप में दर्ज किया जाएगा।

'कृष्णगंज नाम का उपयोग किया जाए'

पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आगे से सभी सरकारी अभिलेखों, पुलिस रिकॉर्ड, सूचना पट्टों और आधिकारिक पत्राचार में केवल 'कृष्णगंज' नाम का ही उपयोग किया जाएगा। आदेश की प्रतिलिपि पुलिस महानिदेशक जयपुर, अजमेर रेंज के आईजी, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित कर दी गई है।

नाम बदलने पर बोले विधानसभा अध्यक्ष

थाने और चौकी का नाम बदलने की अधिसूचना जारी होने के बाद राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'अजमेर के क्रिश्चियनगंज पुलिस थाने व पुलिस चौकी का नाम परिवर्तित कर कृष्णगंज किया गया है। भगवान श्रीकृष्ण के नाम पर किया गया यह निर्णय अजमेर शहर की गरिमा को और ऊंचाई प्रदान करेगा। अजमेर में ऐसे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जो सनातन मूल्यों और गौरवशाली विरासत के सम्मान को बढ़ा रहे है।'

आखिर क्यों चर्चा में है खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन

सुनील कुमार महला

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल 'महापड़ाव' शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर 'आमरण अनशन' प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी।

इन दिनों राजस्थान में खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन खास चर्चा में है। दरअसल, खेजड़ी बचाओ जन-आंदोलन राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' के संरक्षण के लिए चलाया जा रहा एक जन-आंदोलन है। वास्तव में यह आंदोलन सोलर कंपनियों द्वारा पेड़ों की कटाई के कारण चर्चा में आया। आंदोलनकारियों का आरोप है कि राजस्थान के बीकानेर और आसपास के इलाकों में सोलर पावर प्रोजेक्ट्स स्थापित करने के लिए कंपनियां बड़े पैमाने पर खेजड़ी के पेड़ों की कटाई कर रही हैं। यह भी आरोप लगाया गया कि पकड़े जाने के डर से पेड़ों को रात के अंधेरे में काटकर जमीन में दबा दिया जाता है।

आंदोलनकारियों की मुख्य मांगें स्पष्ट हैं। वे पूरे राजस्थान में खेजड़ी की कटाई पर पूर्ण प्रतिबंध चाहते हैं। इसके साथ ही राज्य में एक प्रभावी 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लागू करने की मांग की जा रही है, जिसमें अवैध कटाई पर भारी जुमार्ने (रू.1 लाख तक) और जेल की सजा का प्रावधान हो। आंदोलनकारियों का यह भी कहना है कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ऐसी जमीनों का ही आवंटन किया जाए, जहां पहले से हरे-भरे पेड़ मौजूद न हों।

यहां पाठकों को बताना जरूरी है कि इस आंदोलन की मुख्य और प्रभावी शुरूआत हाल ही में 2 फरवरी 2026 को राजस्थान के बीकानेर जिले से हुई। हालांकि बीकानेर कलेक्ट्रेट और करणीसर भाटियान क्षेत्र में पिछले लगभग एक महीने से शांतिपूर्ण धरने और प्रदर्शन चल रहे थे, लेकिन फरवरी 2026 के पहले सप्ताह में इसे 'महा-आंदोलन' का रूप मिला।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 को बीकानेर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में हजारों पर्यावरण प्रेमियों, संतों और बिश्नोई समाज के लोगों का विशाल 'महापड़ाव' शुरू हुआ। इस दिन बीकानेर के बाजार पूरी तरह बंद रहे और स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। इसके अगले दिन, 3 फरवरी 2026 को, कलेक्ट्रेट के सामने 363 संतों और पर्यावरण प्रेमियों ने आंखों पर पट्टी बांधकर 'आमरण अनशन' प्रारंभ किया। यह संख्या ऐतिहासिक खेजड़ली बलिदान की स्मृति में प्रतीकात्मक रूप से चुनी गई थी।

मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 5 और 6 फरवरी 2026 को आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच राज्य के उद्योग मंत्री के.के. बिश्नोई धरना स्थल पर पहुंचे। सरकार की ओर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में खेजड़ी की कटाई पर तत्काल लिखित प्रतिबंध लगाने तथा विधानसभा में सख्त 'ट्री प्रोटेक्शन एक्ट' लाने के आश्वासन के बाद आमरण अनशन समाप्त किया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस जन-आंदोलन का मुख्य केंद्र बीकानेर रहा, लेकिन इसकी गूंज पूरे पश्चिमी राजस्थान(जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर) में विशेष रूप से सुनाई दी। इस आंदोलन में न केवल राजस्थान, बल्कि हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। आंदोलन को पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत तथा हनुमान बेनीवाल जैसे प्रमुख नेताओं का भी समर्थन मिला, जिससे यह आंदोलन एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा।

फिलहाल आमरण अनशन समाप्त हो चुका है, लेकिन आंदोलनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक विधानसभा में कानून पारित नहीं हो जाता, तब तक उनका प्रतीकात्मक धरना यानी 'महापड़ाव' जारी रहेगा। उनकी मांग है कि खेजड़ी कटाई पर लगाया गया प्रतिबंध पूरे राजस्थान में प्रभावी रूप से लागू किया जाए।

यहां पाठकों को यह भी बताना आवश्यक है कि खेजड़ी संरक्षण का इतिहास राजस्थान की मिट्टी में गहराई से जुड़ा हुआ है। अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में वर्ष 1730 ईस्वी में 363 लोगों ने हरे पेड़ों को बचाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इन बलिदानियों में 69 महिलाएं और 294 पुरुष शामिल थे। खेजड़ली (जोधपुर) का यह बलिदान, वर्ष 1730 ईस्वी (विक्रम संवत 1787) में घटित, विश्व इतिहास की सबसे महान पर्यावरण संरक्षण घटनाओं में गिना जाता है। यह पेड़ों की रक्षा के लिए दिया गया पहला और सबसे बड़ा सामूहिक बलिदान माना जाता है।

इतिहास बताता है कि जोधपुर के तत्कालीन महाराजा अभय सिंह को अपने नए महल के निर्माण हेतु चूना पकाने के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की आवश्यकता थी। इसके लिए उनके कारिंदे गिरधारी दास सैनिकों के साथ खेजड़ली गांव पहुंचे और खेजड़ी के हरे पेड़ों को काटने लगे। इसका अमृता देवी बिश्नोई ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने सैनिकों को चुनौती देते हुए ऐतिहासिक नारा दिया-सिर साठे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण। अर्थात यदि सिर कटने के बाद भी एक पेड़ बचता है, तो यह सौदा भी सस्ता ही समझा जाना चाहिए।

पेड़ों को बचाने के लिए अमृता देवी सबसे पहले खेजड़ी के पेड़ से लिपट गईं। सैनिकों ने पेड़ के साथ उन्हें भी काट दिया। उनके बाद उनकी तीन बेटियां-आसू, रत्नी और भागू-और फिर उनके पति ने भी अपने प्राणों की आहुति दी। यह दृश्य देखकर पूरे गांव और आसपास के 84 गांवों के लोग उमड़ पड़े और एक-एक करके पेड़ों से लिपटते चले गए।

जब महाराजा अभय सिंह को इस भीषण नरसंहार की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पेड़ों की कटाई रुकवाई और भविष्य के लिए एक ताम्रपत्र यानी राजकीय आदेश जारी किया, जिसमें बिश्नोई बहुल क्षेत्रों में कभी भी हरे पेड़ न काटे जाने का निर्देश दिया गया।

यह भी उल्लेखनीय है कि आधुनिक काल का 'चिपको आंदोलन', जिसके प्रणेता सुंदरलाल बहुगुणा थे, इसी खेजड़ली बलिदान से प्रेरित माना जाता है। भारत सरकार और राजस्थान सरकार पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अमृता देवी के नाम पर 'अमृता देवी वन्य जीव पुरस्कार' (राष्ट्रीय पुरस्कार) भी प्रदान करती हैं। खेजड़ली गांव में आज भी एक भव्य शहीद स्मारक स्थित है, जहां हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल दशमी को विश्व का एकमात्र 'वृक्ष मेला' आयोजित किया जाता है।

अंत में यह कहना उचित होगा कि खेजड़ी का केवल पर्यावरणीय ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी है। यह आंदोलन केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्थान की संस्कृति और आस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। खेजड़ी राजस्थान का राज्य वृक्ष है, जिसका वैज्ञानिक नाम 'प्रोसोपिस सिनेरेरिया' है। इसे 'रेगिस्तान का कल्पवृक्ष' कहा जाता है और यह थार मरुस्थल की पारिस्थितिकी की रीढ़ की हड्डी मानी जाती है।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने 31 अक्टूबर 1983 को खेजड़ी को राज्य वृक्ष घोषित किया था। इसका उद्देश्य थार मरुस्थल के पारिस्थितिकी तंत्र में इसके महत्व को देखते हुए इसके संरक्षण को बढ़ावा देना था। यदि हम खेजड़ी वृक्षों से जुड़े आंकड़ों की बात करें, तो सरकार या किसी अन्य विश्वसनीय स्रोत द्वारा राज्य में खेजड़ी के कुल वृक्षों की वर्तमान आधिकारिक संख्या का कोई विस्तृत और ताजा डेटा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ हालिया रिपोर्टों और विधायकों के बयानों से इसकी स्थिति का अनुमान लगाया जा सकता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार राजस्थान विधानसभा में एक स्थानीय विधायक ने यह बयान दिया कि पश्चिमी राजस्थान में पिछले 15 वर्षों में लगभग 26 लाख से अधिक खेजड़ी के पेड़ काटे जा चुके हैं और भविष्य में करीब 50 लाख खेजड़ी पेड़ों की कटाई की तैयारी बताई जा रही है। ये आंकड़े इस बात का संकेत देते हैं कि हजारों से लाखों की संख्या में खेजड़ी वृक्ष अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है।

हालांकि, यहां राहत की बात यह है कि खेजड़ी संरक्षण के प्रयास भी जारी हैं। इसी क्रम में पाठकों को जानकारी देना आवश्यक है कि एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र के अनुसार राज्य में सोलर ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2028 तक 10 लाख (एक मिलियन) नए खेजड़ी वृक्ष लगाने का लक्ष्य घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य राज्य में खेजड़ी की कुल संख्या बढ़ाना है।

आज भी पश्चिमी राजस्थान में लाखों खेजड़ी के पेड़ मौजूद हैं, लेकिन बड़ी संख्या में इन्हें काटा जा चुका है और भविष्य में कटाई की आशंका भी बनी हुई है। वास्तव में खेजड़ी बचाओ आंदोलन राजस्थान में खेजड़ी वृक्ष के संरक्षण के लिए चल रहा एक पर्यावरणीय और सामाजिक आंदोलन है। इसका मूल कारण खेजड़ी की अंधाधुंध कटाई और उससे हो रहे पर्यावरणीय नुकसान के खिलाफ जन-आक्रोश है। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग कानूनी सुरक्षा और प्रभावी रोक की है। सामाजिक और राजनीतिक समर्थन, आमरण अनशन तथा सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों के कारण यह आंदोलन राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में बना हुआ है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि मरुस्थल की जीवनरेखा है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अनिवार्य है। वास्तव में खेजड़ी ही नहीं, सभी वृक्षों का संरक्षण संभव है और इसमें असंभव कुछ भी नहीं है। इसके लिए सबसे पहले अंधाधुंध कटाई पर सख्त रोक लगाना आवश्यक है। खाली पड़ी सरकारी भूमि, खेतों की मेड़ों और सड़कों के किनारे बड़े पैमाने पर खेजड़ी के नए पौधे लगाने का अभियान चलाया जाना चाहिए। नए पौधों के रोपण को प्राथमिकता देनी होगी। इसके साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में खेजड़ी संरक्षण के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। खेजड़ी को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों, जैसे 'ग्लोबोटर्म्स' (दीमक), और विभिन्न रोगों से बचाने के लिए कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार उचित जैविक उपचार किए जाने चाहिए। खेजड़ली बलिदान से प्रेरणा लेकर समुदाय को संगठित करना और संरक्षण के प्रयासों को बिश्नोई पंथ जैसी परंपराओं से जोड़ना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके अतिरिक्त पशु चराई पर नियंत्रण जरूरी है। खेजड़ी की वृद्धि दर बढ़ाने और इसे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए उन्नत बीजों और आधुनिक तकनीकों पर शोध किया जाना चाहिए। खेजड़ी के आसपास जल संचयन की पारंपरिक विधियों, जैसे टांका और खडीन, को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि सूखे के समय भी इन पेड़ों को पर्याप्त नमी मिल सके।अति-दोहन पर रोक लगाने के साथ-साथ खेजड़ी संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और पंचायतों को पुरस्कार और आर्थिक सहायता प्रदान की जानी चाहिए। यदि हम पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के प्रति सचेत और जागरूक रहेंगे, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि हम वृक्षों को बचाने में सफल हो सकते हैं।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतः कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

सूक्ति

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है
– चाणक्य

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है
– जॉर्ज वीनवर्ग

अज्ञानता और विचार हीनता मानवता के विनाश के दो सबसे बड़े कारण है
– जॉन टिलोटसन

लोकतंत्र के सर्वोच्च आसन पर उठते सवाल

सनत जैन

लोकसभा अध्यक्ष का पद भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। यह वह आसन है, जो सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखने का संवैधानिक प्रावधान एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। संविधान में परिभाषित है। लोकसभा का अध्यक्ष और राज्य सभा का सभापति पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर सदन का संचालन करेगा। दोनों ही सदन में सभी सदस्यों के हितों के संरक्षण की जिम्मेदारी अध्यक्ष और सभापति की होती है। हालिया घटनाक्रम ने इसी धारणा को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विपक्ष द्वारा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी करना कोई साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। संसदीय लोकतंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है। पिछले कई सत्रों से लोकसभा में विपक्ष आरोप लगाता रहा है, उन्हें सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। बोलने के पहले तरह-तरह से उन्हें रोका जा रहा है। सदन के अंदर सदस्यों को बोलने की जो स्वतंत्रता थी, उसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बाधित किया जा रहा है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जैसे संवैधानिक और परंपरागत अवसर पर भी विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलना वहीं सत्ता पक्ष के एक सदस्य को बोलने का अवसर दिया गया। इसने असंतोष को आर और पार की लड़ाई में लाकर खड़ा कर दिया है। विपक्ष का कहना है कि सत्ता पक्ष को खुली छूट दी जाती है। जबकि विपक्ष को सवालों ओर नियमों का हवाला देकर बोलने नहीं दिया जाता है। विपक्ष यह कहने से नहीं चूक रहा है, कि आसंदी द्वारा सत्ता पक्ष के लिए अलग, विपक्ष के साथ अलग व्यवहार किया जा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष का यह तर्क कि 'सदन नियम और परंपरा से चलेगा' अपने आप में सही है, लेकिन सवाल यह है, कि क्या ये नियम सबके लिए समान रूप से लागू हो रहे हैं? पिछले 10 वर्षों में विपक्ष द्वारा जब भी कोई स्थगन प्रस्ताव अध्यक्ष को दिया गया, किसी को मंजूरी नहीं दी गई। जबकि परंपराएं और लोकसभा की कार्यवाही में ऐसे दर्जनों उदाहरण हैं जहां पर विपक्ष को स्थगन प्रस्ताव में बोलने का अवसर दिया गया। जब सत्ता पक्ष कांग्रेस को 'गद्दार' कहता है, तब वह सदन की मयार्दा है? और जब विपक्ष उसका जवाब देना चाहता है, तब उसे 'आउट ऑफ प्रोसीडिंग' बताकर रोक दिया जाता है। तो यह किस तरह की निष्पक्षता है? विपक्ष का आरोप है कि अध्यक्ष का व्यवहार निष्पक्ष एवं मध्यस्थता वाला नहीं है। ऐसा स्पष्ट रूप से दिख रहा है। आसंदी का व्यवहार सत्ता पक्ष के रक्षक का है। पिछले वर्षों में जिस तरह से बिल और कानूनों को बिना किसी चर्चा के हो हल्ले में पास कर दिया गया। यही कारण है कि विपक्ष ने अब अविश्वास प्रस्ताव जैसा असाधारण कदम उठाने का मन बनाया है। पिछले 76 सालों में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव तीन बार लाया गया है। चौथी बार ऐसी स्थिति बनना अपने आप में असाधारण और चिंताजनक है। संविधान के अनुसार, अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ लिखित नोटिस आवश्यक होता है। यह प्रस्ताव तभी लाया जाता है जब विपक्ष यह मान ले कि अध्यक्ष सदन की निष्पक्षता बनाए रखने में असफल हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर एकमत हैं। महिला सांसदों ने भी लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजी जताई है। जो यह दशार्ता है, असंतोष केवल एक दल अथवा एक वर्ग तक सीमित नहीं है। इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू यह है, पिछले कई वर्षों में सदन के सत्र छोटे होते जा रहे हैं। संसद की कार्यवाही बार-बार ठप्प होना अब सामान्य हो गया है। इसका लाभ उठा कर सत्ता पक्ष बिल पास कर लेती है। बजट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के बजाय बार-बार कार्यवाही स्थगित होना, अध्यक्ष द्वारा सत्ता पक्ष और विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जाता है। जबकि नियमों के अनुसार विपक्ष की आवाज को अध्यक्ष का संरक्षण मिलना चाहिए। आसंदी की इस कार्रवाई से लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करता है। इतिहास गवाह है, जब-जब अध्यक्ष ने निष्पक्षता दिखाई, तब-तब विपक्ष ने भी मयार्दा का पालन किया है। जब कुर्सी की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ता है। वर्तमान में स्थिति यहां तक पहुंच गई है, अध्यक्ष का आसन राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। वर्तमान स्थिति केवल ओम बिरला या लोकसभा अध्यक्ष के पद या बजट सत्र की नहीं है, यह उस संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपरा की परीक्षा है जिसे भारत के संसदीय लोकतंत्र ने कई दशकों में गढ़ा गया है। यदि अध्यक्ष की निष्पक्षता पर विश्वास उठता है, तो केवल विपक्ष नहीं, पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं संविधान भी कमजोर होता है। आवश्यकता इस बात की है, लोकसभा अध्यक्ष अपने पद की गरिमा को पुनः स्थापित करें। सत्ता और विपक्ष, दोनों के लिए समान नियम और समान अवसर सुनिश्चित करें। विपक्ष के पास बहुमत नहीं होता है इसलिए उसे संरक्षण की जरूरत होती है। सत्ता पक्ष की दादागिरी से अध्यक्ष ही विपक्ष को संरक्षण दे सकता है। लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं, बल्कि संवाद और विश्वास के सहारे चलता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर आवाम की आवाज को सदन में लेकर आते हैं। सत्ता पक्ष से ज्यादा वोट विपक्ष के पास होते हैं। विपक्ष बटा हुआ होता है, इसलिए सत्ता पक्ष राज करता है। सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोकसभा अध्यक्ष को इस बात को ध्यान में रखना जरूरी है। लोकसभा के अध्यक्ष भले बहुमत से चुने जाते हों, लेकिन अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी सदस्यों के अध्यक्ष होते हैं।

पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं दालें

योगेश कुमार गोयल

हर साल 10 फरवरी को मनाया जाने वाला 'विश्व दलहन दिवस' हमें यह सोचने का अवसर देता है कि जिन दालों को हम रोजमर्रा के भोजन का साधारण हिस्सा मान लेते हैं, वे वास्तव में मानव सभ्यता और प्रकृति के बीच संतुलन की एक गहरी कड़ी हैं। खेतों से लेकर थाली तक की यह यात्रा केवल भोजन भर की नहीं है बल्कि इसमें पोषण, पर्यावरण, कृषि और भविष्य की खाद्य सुरक्षा के सूत्र छिपे हैं। वर्ष 2026 की आधिकारिक थीम 'विश्व की दलहनः सादगी से उत्कृष्टता की ओर' इसी सच्चाई को रेखांकित करती है कि छोटे से दिखने वाले बीज किस तरह वैश्विक समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह दिवस खाद्य एवं कृषि संगठन के नेतृत्व में विश्वभर में मनाया जाता है। दिसंबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की घोषणा के बाद से 2019 से यह निरंतर मनाया जा रहा है। इसकी प्रेरणा 2016 में मनाए गए अंतर्राष्ट्रीय दलहन वर्ष से मिली थी, जिसने पहली बार वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट किया कि दालें केवल पारंपरिक भोजन नहीं, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि का प्रभावी साधन हैं। दलहन, यानी फलीदार पौधों से प्राप्त सूखे और खाने योग्य बीज, सदियों से मानव आहार का आधार रहे हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में ये भोजन की रीढ़ रहे जबकि आधुनिक समय तक कुछ क्षेत्रों में इन्हें साधारण या कम मूल्य वाला भोजन समझा गया लेकिन पोषण विज्ञान ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। आज यह स्वीकार किया जा चुका है कि दालें उच्च गुणवत्ता वाले पौध-आधारित प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं। इनके साथ मिलने वाला आहार फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है, रक्त शर्करा को नियंत्रित करता है और हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। आयरन, जिंक, फोलेट, मैग्नीशियम और बी-विटामिन्स जैसे सूक्ष्म पोषक तत्व इन्हें हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। कम वसा और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के विरुद्ध प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करती हैं। पर्यावरण की दृष्टि से दालों का महत्व और भी व्यापक है। इनमें मिट्टी में वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर करने की प्राकृतिक क्षमता होती है, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। अन्य फसलों की तुलना में इन्हें कम पानी की जरूरत पड़ती है और इनका कार्बन फुटप्रिंट भी कम होता है। यही कारण है कि बदलते जलवायु परिदृश्य में दलहन को जलवायु-अनुकूल और भविष्य की फसल माना जा रहा है। सीमित संसाधनों और अनिश्चित मौसम के दौर में ये फसलें किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए भरोसेमंद विकल्प बनती जा रही हैं। वैश्विक खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में भी दलहन की भूमिका निर्णायक है। तेजी से बढ़ती आबादी, कुपोषण और जलवायु अस्थिरता के बीच दालें सस्ती, सुलभ और पोषण से भरपूर समाधान प्रस्तुत करती हैं। भूखमुक्त समाज, बेहतर स्वास्थ्य और टिकाऊ विकास जैसे वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने में इनका योगदान प्रत्यक्ष और प्रभावी है। भारत में विश्व दलहन दिवस का महत्व केवल एक वैश्विक तिथि तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह देश की कृषि परंपरा, पोषण दृष्टि और सांस्कृतिक चेतना से गहराई से जुड़ जाता है। भारत न केवल विश्व के प्रमुख दलहन उत्पादक और उपभोक्ताओं में अग्रणी है बल्कि यहां की खाद्य संस्कृति में दाल को संतुलित आहार की आत्मा माना गया है। दाल-चावल, दाल-रोटी और खिचड़ी जैसे सरल, सुलभ और पौष्टिक भोजन सदियों से भारतीय समाज में स्वास्थ्य, सादगी और सहजीवन के प्रतीक रहे हैं। दलहन केवल थाली की शोभा नहीं बल्कि पोषण सुरक्षा की मजबूत आधारशिला हैं। इनमें प्रचुर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, खनिज और सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कुपोषण से लड़ने और स्वास्थ्य सुधारने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। विशेषकर शाकाहारी आबादी के लिए दालें सस्ती, टिकाऊ और भरोसेमंद प्रोटीन स्रोत हैं। कुल मिलाकर, यह दिवस किसानों के लिए भी नई संभावनाओं का द्वार खोलता है। दलहन आधारित फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है, नाइट्रोजन स्थिरीकरण के कारण रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। परिणामस्वरूप किसानों की लागत कम होती है और आय में स्थिरता आती है। साथ ही, जलवायु परिवर्तन के दौर में दलहन खेती पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रस्तुत करती है। उपभोक्ताओं के लिए यह अवसर अपने भोजन विकल्पों पर पुनर्विचार करने का संदेश देता है, अधिक पौध आधारित, स्थानीय और पोषण-संपन्न आहार की ओर लौटने का आह्वान। दालें यह सिद्ध करती हैं कि सादगी में भी उत्कृष्टता छिपी होती है। यदि नीति-निमार्ता, किसान और उपभोक्ता मिलकर दलहनों को प्राथमिकता दें तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, तीनों को एक साथ मजबूती मिल सकती है। सच यही है कि छोटे-छोटे बीज मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य की नींव रखते हैं।

लंबाई के अनुसार कपड़ों का करें चयन

अगर आपकी लंबाई कम है तो आप को इस प्रकार के कपड़ों का चयन करना चाहिये। कपड़े ऐसे हों जिनमें वर्टीकल पट्टियां हों। इसका कारण यह है कि हॉरीजौन्टल पट्टियों में आपकी लंबाई कम लगेगी। आप मोटी या पतली वर्टीकल पट्टियों को पहन सकती हैं। केवल फैशन के पीछे न भागे। स्कर्ट, क्रॉप पैंट जैसी चीजों से आपको बचना चाहिए क्योंकि आप ऐसी चीजें पहनकर और छोटी लगेंगी।

एंकिल तक की पट्टियों को कहें बाय बाय–

एंकिल तक की पट्टियों वाले कपड़ों और जूतों को आप अपने से दूर रखें क्योंकि इससे आप और छोटी लगेंगी। अगर आपको एंकिल तक की पट्टियों वाले फुटवियर पसंद हैं तो उसमें हील जरुर हों।

अगर आप बड़े आकार के बैग का इस्तेमाल करती हैं तो उसे बदल दें। ज्यादा बड़े आकार के बैग को कैरी करने से आपकी हाइट और कम लगती हैं। इसलिए आप ऐसा बैग लें जिस में आप अच्छी लगें।

शर्ट ड्रेस से दूर रहें–

जिनके पैरों की लंबाई ज्यादा होती हैं उन पर शर्ट वाली ड्रेस अच्छी लगती हैं। शर्ट वाली ड्रेस का कोई अपना आकार नहीं होता हैं इसलिए ये आपको चकोर लुक देता हैं जो आप पर थोड़ा अजीब लग सकता हैं।

गहरी कट के कपड़े पहनें–

वी आकार की नेकलाइंस वाले कपड़े आप पर अच्छे भी लगेंगे और उसमें लंबी भी लगेंगी। अगर आपकी हाइट कम हैं तो ये अगर आपको मैक्सी ड्रेस पसंद हैं तो आप उसे पहन सकती हैं। लेकिन फिटिंग को ध्यान में रखते हुए वो नीचे की तरफ से थोड़ा कसा हुआ हो। इसमें आप स्मार्ट और स्टाइलिश लगेंगी।

नींद पूरी न होना महिलाओं की सेहत पर डाल सकता है गहरा असर

अच्छी सेहत पाना मौजूदा समय की सबसे बड़ी जरूरत भी है और चुनौती भी। हालांकि दुनियाभर में जिस तेजी से डायबिटीज, हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर हो या डायबिटीज–किडनी की बीमारियां, बढ़ती जा रही हैं, इसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। जब बात महिलाओं की सेहत की आती है तो ये चिंता और भी बढ़ जाती है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि महिलाओं की सेहत लगातार चुनौतियों से जूझ रही है। करियर, परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अक्सर अपनी सेहत को प्राथमिकता नहीं दे पातीं। इसके अलावा खराब लाइफस्टाइल, अनियमित खानपान, शारीरिक गतिविधियों में और बढ़ते मानसिक तनाव ने समस्याओं को और भी गंभीर बना दिया है। पर्याप्त पोषण की कमी महिलाओं में एनीमिया का खतरा बढ़ाती जा रही है, भारत में 57% से अधिक महिलाएं खून की कमी का शिकार हैं।

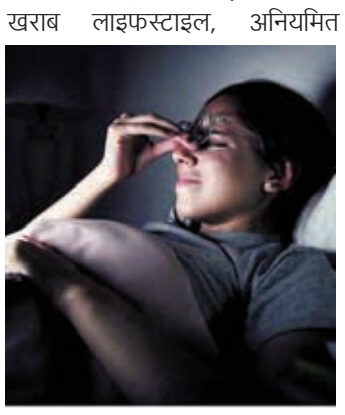

इन समस्याओं के अलावा स्वास्थ्य विशेषज्ञ एक छोटी सी लापरवाही को लेकर भी सभी महिलाओं को सावधान करते हैं, जो धीरे–धीरे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत को खराब करती जा रही है।

नींद की कमी महिलाओं की सेहत का दुश्मन

महिलाओं में नींद की समस्या या रात में देर से सोने की आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ सेहत के लिए बहुत हानिकारक मानते हैं। नींद की कमी एक साइलेंट खतरे के रूप में उभर रही है। देर रात तक जागना, मोबाइल और स्क्रीन टाइम बढ़ना और स्ट्रेस के कारण महिलाओं की नींद पूरी नहीं हो पाती।

अध्ययनों से पता चलता है कि रात में 8 घंटे से कम की नींद हार्मोनल असंतुलन के साथ महिलाओं की शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों को प्रभावित कर सकती है। कम उम्र में ही पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) मोटापा, डायबिटीज, थायरॉइड और मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं के लिए सीधे तौर पर नींद विकारों या देर से सोने की आदत को जिम्मेदार पाया गया है।

हार्मोनल असंतुलन और पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं

नींद पूरी न होना महिलाओं के हार्मोन सिस्टम को सबसे पहले प्रभावित करता है। नींद के दौरान शरीर एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टेरोन और मेलाटोनिन जैसे जरूरी हार्मोन को संतुलत करता है।

जब महिलाएं देर रात तक जागती हैं या 7–8 घंटे की नींद नहीं ले पातीं, तो इससे हार्मोनल साइकिल बिगड़ जाती है।

इसका सीधा असर पीरियड्स पर पड़ता है, जिससे अनियमित माहवारी, ज्यादा दर्द, हैवी ब्लीडिंग या पीरियड्स का देर से आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

लगातार नींद की कमी पीसीओएस के खतरे को भी बढ़ाती है, जिसके कारण प्रजनन स्वास्थ्य भी प्रभावित होने लग जाता है। इससे गर्भधारण में परेशानी और मूड स्विंग्स बढ़ सकते हैं।

नाखूनों को ऐसे बनाएं सुंदर

लड़कियों को लंबे–लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

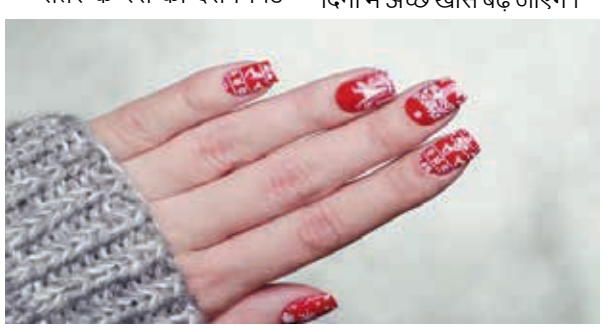

घरेलू उपाय से ठीक होंगी फटी एड़ियां

पैरों की खूबसूरती भी जरुरी है पर कई बार धूल लगने से एडियां फट जाती है। इससे पैरों की खूबसूरती कम हो जाती है पर फटी एडियों को ठीक करने के लिए कहीं बाहर जाने की बजाय कुछ घरेलू उपायों को करना ठीक रहता है।

नींबू रहेगा फायदेमंद

नींबू का इस्तेमाल करके फटी एड़ियों को सही किया जा सकता है। इसके लिए नींबू के रस को गर्म पानी में मिलाएं और 10 से 15 मिनट तक पैरों को पानी में डुबोए रखें. इसके बाद एड़ी को प्यूमिक स्टोन से साफ करें और फिर पैरों को धो कर तौलिये से पोछ लें।

गुलाब जल और ग्लीसरीन

ग्लीसरीन और रोजवॉटर (गुलाब जल) फटी एड़ियों को सही करने और एड़ियों को मुलायम करने में मदद करता है। सबसे पहले ग्लीसरीन और रोजवॉटर को बराबर मात्रा में लेकर पेस्ट तैयार कर लें। रात को सोने से पहले इस पेस्ट को एडियों पर लगा लें।

वनस्पति तेल

वनस्पति तेल भी फटी एड़ियों के लिए काफी सही रहता है। वनस्पति तेल में जैतून, नारियल, तिल या किसी भी तरह का वनस्पति तेल लेकर रात को सोने से पहले एडियों में मसाज करने से फायदा मिलेगा। इसके लिए सबसे पहले पैरों को गर्म पानी में भिगोकर रखें और बाद में स्क्रब कर के सुखा लें। इसके बाद वनस्पति तेल को एड़ी और तलवों पर लगाकर मोजे पहनकर सो जाएं।

नीम

नीम भी फटी एड़ियों को सही करने में कारगर साबित हो सकता है. इसके लिए सबसे पहले नीम की पत्तियों को हल्दी के साथ मिक्स कर के पेस्ट तैयार कर ले।

सुंदर दिखने के लिए अपनाएं ये तरीके

सुंदरता के लिए अपनायें ये तरीके। इस प्रकार आप अपनी सुंदरता को बढ़ा सकती हैं। आंखों की सुंदरता के लिए गोल्ड आई शैडो का प्रयोग करें। आंखों पर गहरे रंग के आई पेंसिल का प्रयोग करें1 आप इलेक्ट्रिक ब्लर आईलाइनर के इस्तेमाल करने से भी अच्छा लुक पा सकती हैं1 रात के समय ब्लशर रंगों का होठों के रंगों से मेल जरूरी नहीं है, लेकिन टोन का रंग सामान्यता एक जैसा होना चाहिए। यदि आपने नांरगी लिपस्टिक लगाई है तो गुलाबी ब्लश से दूर रहिए।आप लिपस्टिक में लाल गहरे लाल रंग की शेड की लिपस्टिक का प्रयोग कर सकती हैं। गहरा गुलाबी रंग भी काफी आकर्षक लगेगा। ज्यादातर त्वचा के रंगों में नारंगी शेड भी काफी सराही जाती है। उमस भरे मौसम में 3डी लुक पाने के लिए फेस पर ब्रांजिंग और हाइलाइटिंग बहुत जरूरी है। इसके साथ ही फेस पर बेस ब्लेंडेड करना भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टोनिंग भी बेहद अनिवार्य है1 इसके लिए आप किसी मलमल के कपड़े में बर्फ डालकर अपने चेहरे पर हल्के–हल्के से मल सकती हैं। इससे पोर्स तो बंद हो ही जाएंगे और मेकअप भी देर तक टिका

रहेगा। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप मॉइश्चराइजिंग लोशन से कुछ मिनट तक हल्के–हल्के मसाज कर सकती हैं।

अपनी त्वचा से अनचाहे दाग–धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर का यूज कर सकती हैं। कंसीलर को अपनी उंगली में लेकर प्रभावित स्थान पर हल्के से थपथपा कर लगाएं, जिससे कंसीलर आपकी स्किन में अच्छे से समा जाए. अगर आपकी ड्रेस ज्यादा भारी नहीं है तो बहुत डार्क मेकअप ना करें, बल्कि लिपस्टिक और आई शेड्स में हल्के रंगों के उपयोग करें। आंखों पर मस्कारा लगाएं। आप लिक्विड काजल की जगह पेंसिल वाला काजल भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

अगर आपकी ड्रेस हैवी है तो लिक्विड काजल का इस्तेमाल करें और मस्कारा लगाएं। साथ ही लिपस्टिक और आई शेड्स डार्क गहरे रंग के इस्तेमाल करें। चाहें तो होठों के लिए लिक्विड लिप ग्लॉस का उपयोग भी कर सकती हैं। ड्रेस के बाद बारी आती है हेयर स्टाइल की। आप चाहे कितना भी अच्छा मेकअप कर लें या ज्वेलरी पहने जब तक आपका हेयर स्टाइल सही नहीं है आपका लुक परफेक्ट नहीं लग सकता। इसलिए अपने बालों को अच्छा सा हेयर स्टाइल दें।

अगर आपके बाल छोटे हैं तो उन्हें खुला ही छोड़ दें। खुले बालों में भी काफी स्टाइल दिए जा सकते हैं। जैसे कि आप अपने बालों को सामने की ओर से पफ दे सकती हैं या क्लिप्स की मदद से सामने के बाल थोड़े–थोड़े लेकर पीछे की ओर घुमाकर पिनअप कर सकती हैं।ट को एडियों पर लगा लें। इस पेस्ट को 1 घंटे लगाकर रखें और फिर पानी से साफ कर लें।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com